■ पौष शुक्ल - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 162 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 05-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'वैनिटी वैन' के बारे में पूछने वाले पत्रकार पर भड़के प्रशांत किशोर

6 ज्योति प्रकाश निराला: आखिरी सांस तक अडिग रहे, लखवी के 'शागिर्द' को किया ढेर

7 मुझे देश छोड़कर तीन साल निर्वासन में रहने की पेशकश की गई थी : इमरान खान

फर्स्ट टेक

मोदी आज दिल्ली में 122000 करोड़ रु से अधिक की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को दिल्ली में 12,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी दोपहर सवा बारह बजे आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली की इन योजनाओं का लोकार्पण अथवा शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री पूर्वाह्न करीब 11:15 बजे दिल्ली-मेरठ द्रुत क्षेत्रीय रेल-ट्रांजिट प्रणाली (आरआरटीएस) के साहिबाबाद स्टेशन से न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन में यात्रा भी करेंगे। यह क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर श्री मोदी साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच करीब 4,600 करोड़ रुपये की लागत वाले दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से का भी उद्घाटन करेंगे।

भारत में प्रशिक्षण लेंगे बांग्लादेश के 50 न्यायाधीश

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के 50 न्यायिक अधिकारी भारत में सरकारी अकादमियों में 10 दिवसीय प्रशिक्षण लेंगे। एक खबर में शनिवार को यह जानकारी दी गई है। हालांकि, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक विवाद जारी है। विधि मंत्रालय ने अधीनस्थ न्यायालयों के 50 न्यायिक अधिकारियों को मध्य प्रदेश के भोपाल में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी और राज्य न्यायिक अकादमी में प्रशिक्षण लेने की अनुमति दे दी है, जिसका बांग्लादेश को कोई खर्च वहन नहीं करना पड़ेगा। 'प्रथम आलो' समाचार पत्र ने यहां अपनी खबर में कहा, कानून मंत्रालय ने उच्चतम न्यायालय की सलाह के मद्देनजर अनुमति दे दी है। ये न्यायिक अधिकारी 10 फरवरी से 20 फरवरी तक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेंगे।

ओडिशा के दो मंदिरों से बदमाश आभूषण और नकदी लेकर फरार

ब्रह्मपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले में अज्ञात बदमाशों ने दो मंदिरों से 30 लाख रुपये से अधिक का सामान कथित तौर पर लूट लिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात भंजनगर के शिरडी साईं बाबा मंदिर और जगदलपुर के मां बूढ़ीसंतनी ठकुरानी मंदिर में हुई। इसने बताया कि पुजारियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और बाद में प्राथमिकी दर्ज की गयी। प्राथमिकी के अनुसार वे 30 लाख रुपये से अधिक मूल्य के चांदी और सोने के आभूषणों के अलावा लगभग 30,000 रुपये की नकदी भी लूट ले गए।

सूर्यास्त 05-01-2025	सूर्योदय 06-01-2025
6:07 बजे	6:43 बजे

BSE	NSE
79,223.11	24,004.75
(-720.60)	(-183.90)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शर्मिंदा सदन

अंटशंट जो बोल रहे कुछ,
नेता वो बकवादी है।
आरोपित करता दूजे को,
ज्यों वादी प्रतिवादी है।
हमने ऐसों को चुन करके,
करी वोट बरबादी है।
शर्मिंदा जो करे सदन को,
ये कैसी आजादी है??

कुछ लोग जाति के नाम पर समाज में जहर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''जाति के नाम पर समाज में जहर फैलाने के लिए'' विपक्ष पर शनिवार को हमला बोला और लोगों से गांवों की साझा संस्कृति एवं विरासत को मजबूत करने के उद्देश्य से ऐसी साजिशों को विफल करने को कहा। प्रधानमंत्री ने 'ग्रामीण भारत महोत्सव' का उद्घाटन करते हुए कहा कि उनकी सरकार 2014 से ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है और 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में गांव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मोदी ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के अन्य नेताओं का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा कि कुछ लोग जाति के नाम पर समाज में जहर फैलाने और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें इन षड्यंत्रों को विफल करना होगा तथा अपने गांवों की साझा विरासत को संरक्षित एवं मजबूत करना होगा।

गांधी और अखिलेश यादव सहित विपक्षी नेता जातिगत जनगणना की लगातार मांग कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि वह 2014 से ग्रामीण भारत की सेवा में लगातार लगे हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ग्रामीण भारत के लोगों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना मेरी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सशक्त ग्रामीण भारत सुनिश्चित करना, ग्रामीणों को पर्याप्त अवसर प्रदान करना, पलायन को कम करना और गांवों के लोगों के लिए जीवन को आसान बनाना है।

मोदी ने गांवों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाओं के बारे में कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय बनाए गए हैं और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण भारत के करोड़ों लोगों को पक्के घर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के माध्यम से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल भी उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज डेढ़ लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी की सहायता से टेलीमेडिसिन ने गांवों में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सकों और अस्पतालों का विकल्प सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि ई-संजीवनी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों लोगों को टेलीमेडिसिन का लाभ मिला है।

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए आर्थिक नीतियां बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य गांवों को विकास और अवसर के जीवंत केंद्रों में बदलकर ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार की मंशा, नीतियां और फैसले ग्रामीण भारत को नई ऊर्जा के साथ सशक्त बना रहे हैं।

अंतरिक्ष में हुआ जीवन का अंकुरण :

सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण स्थिति में बीज अंकुरित हुए : इसरो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। इसरो ने शनिवार को कहा कि 'पीएसएलवी-सी60 पीओईएम-4 प्लेटफॉर्म' पर अंतरिक्ष में भेजे गए लोबिया के बीज मिशन के प्रक्षेपण के चार दिन के भीतर सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण परिस्थितियों में अंकुरित हो गए हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण स्थितियों में पौधों के विकास का अध्ययन करने के लिए विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के कक्षीय पादप अध्ययन (सीआरओपीएस) प्रयोग के लिए 'कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल' के हिस्से के रूप में लोबिया के आठ बीज भेजे।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अंतरिक्ष में हुआ जीवन का अंकुरण! 'पीएसएलवी-सी60 पीओईएम-4' के माध्यम से वीएसएससी के सीआरओपीएस प्रयोग में 4 दिन में लोबिया के बीज सफलतापूर्वक अंकुरित हुए। जल्द ही पत्तियां निकलने की उम्मीद है।' पीएसएलवी-सी60 मिशन ने 30 दिसंबर की रात दो स्पेडेक्स उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया था। पीओईएम-4' प्लेटफॉर्म को ले जाने वाले रॉकेट का चौथा चरण मंगलवार से 350 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है और इस दौरान कक्षा में 24 प्रयोग किए जा रहे हैं।

भारत के परमाणु कार्यक्रम के वास्तुकार

राजगोपाल चिदंबरम का 88 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली/भाषा। देश में 1974 और 1998 के परमाणु परीक्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतिष्ठित वैज्ञानिक राजगोपाल चिदंबरम का शुक्रवार देर रात निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के एक अधिकारी ने बताया कि परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़े रहे चिदंबरम ने मुंबई के जसलोक अस्पताल में देर रात तीन बजकर 20 मिनट पर अंतिम सांस ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह चिदंबरम के निधन से ''बहुत दुखी'' हैं। मोदी ने कहा, वह भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक एवं सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें पूरा देश कृतज्ञता के साथ याद करेगा और उनके प्रयास भावी पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। डीएई की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, हम अत्यंत दुख के साथ सूचित करते हैं कि प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में से एक डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का शुक्रवार देर रात (चार जनवरी 2025) तीन बजकर 20 मिनट पर निधन हो गया।

भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं में डॉ.

केजरीवाल ने दिल्ली की

आधारभूत संरचनाओं को सुधारने के बजाय 'शीश महल' बनवाया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के तौर पर अपने लगभग 10 साल के कार्यकाल में राजधानी की आधारभूत संचरनाओं को सुधारने के बजाय खुद के लिए ''शीश महल'' बनवाया। शाह ने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक को इसका हिसाब देना होगा।

शाह ने नई दिल्ली नगरपालिक परिषद द्वारा स्थापित कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास 'सुषमा भवन' के उद्घाटन के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल (मुख्यमंत्री के तौर पर) के आधिकारिक आवास में इस्तेमाल की गई कई महंगी चीजों के नाम गिनवाए और कहा कि उन्होंने तो इनमें से कई चीजों के नाम तक नहीं सुने हैं।

शाह ने कहा कि जब केजरीवाल राजनीति में आए तो उन्होंने कसम खाई थी कि सरकारी कार या बंगला नहीं लेंगे और कहा था कि एक नए प्रकार की राजनीति का आगाज करेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन 'आप' नेता का एक, दो, तीन या चार बंगलों से मन नहीं भरा और दिल्लीवासियों के 45 करोड़ रुपए के खर्च से 50,000 वर्ग गज जमीन पर 'शीश महल' बनवाया।

भाजपा केजरीवाल पर निशाना साधने के लिए 'शीश महल' का मुद्दा उठा रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्लीवासियों को पानी की आपूर्ति करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं बनाई लेकिन केजरीवाल के ''चार सदस्यीय परिवार के लिए 15 करोड़ रुपए का पानी संयंत्र लगाया गया''।

भारत हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में अन्य देशों से आगे : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खंडवा (मध्य प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शनिवार को कहा कि भारत हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में दूसरे देशों से आगे है।

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में ओंकारेश्वर बांध में तैरते सौर संयंत्र के दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दुनिया की सबसे बड़ी हरित अमोनिया प्रदर्शन परियोजना के लिए निविदा जारी की है। मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं का काम चल रहा है और गुजरात में निविदाएं आमंत्रित की गई हैं।

जोशी ने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांति हो रही है और भारत नवीकरणीय ऊर्जा में दुनिया का अग्रणी बन रहा है।

उन्होंने कहा, भारत दूसरे देशों की तुलना में हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में आगे है। हमने हरित अमोनिया के लिए निविदा जारी की है जो दुनिया की सबसे बड़ी (परियोजना) है।

सरकार ने नेपाल को दो लाख टन गेहूं निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने नेपाल को दो लाख टन गेहूं निर्यात करने की अनुमति दी है। शनिवार को जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा कि निर्यात की अनुमति राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से दी गई है। घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के लिए गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध है, लेकिन कुछ देशों के अनुरोध करने पर सरकार उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों के मद्देनजर निर्यात की अनुमति देती है। एक अलग अधिसूचना में, डीजीएफटी ने कहा कि अग्रिम प्राधिकरण धारकों, ईओयू (निर्यात उन्मुख इकाइयों) और एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्रों) द्वारा कृत्रिम बुने हुए कपड़ों के लिए कच्चे माल के आयात को एमआईपी (न्यूनतम आयात शर्त) से छूट दी जाएगी। सस्ते कपड़ों की आवक को हतोत्साहित करने के लिए सिंथेटिक बुने हुए कपड़ों पर 3.5 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोग्राम एमआईपी लागू है।

पूरे देश को एमएसपी की जरूरत : डल्लेवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने शनिवार को अन्य राज्यों के किसान संगठनों से अपील की कि वे अपने राज्यों में एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर मजबूती से आंदोलन करें ताकि केंद्र को यह संदेश दिया जा सके कि यह अकेले पंजाब की लड़ाई नहीं है।

खनौरी में आयोजित 'किसान महापंचायत' में अपने 11 मिनट से अधिक के संबोधन के दौरान डल्लेवाल ने यह संदेश देने की कोशिश की कि उनका जीवन किसानों से अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। 70 वर्षीय डल्लेवाल ने महापंचायत में कहा कि देश में सात लाख किसानों ने आत्महत्या की है और वह जानते हैं कि उनके परिवारों को क्या-क्या सहना पड़ता है।

आमरण अनशन कर रहे किसान नेता को स्ट्रेचर पर बाहर लाया गया और उन्होंने प्रदर्शन स्थल पर एक मंच से बिस्तर पर लेटे हुए सभा को संबोधित किया।

डल्लेवाल ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी सहित किसानों की मांगों का उल्लेख करते हुए संकेत दिया कि वह इसकी कठिनाइयों को समझते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई चुपचाप बैठा रहेगा और कुछ नहीं करेगा।

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के संयोजक डल्लेवाल का अनशन शनिवार को 40वें दिन में प्रवेश कर गया, इसके बावजूद अब तक उन्होंने कोई भी चिकित्सा सहायता लेने से इनकार कर दिया है, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई है। पिछले कुछ दिनों में डल्लेवाल ने छोटे-छोटे वीडियो संदेशों के जरिए किसानों को संबोधित किया था, लेकिन 26 नवंबर को अपना अनशन शुरू करने के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। डल्लेवाल का संगठन पहले तीन कृषि कानूनों (अब निरस्त) के खिलाफ अपने आंदोलन के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का हिस्सा था।

चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू का प्रकोप

■ केरल, तेलंगाना केंद्र के साथ मिलकर स्थिति पर रख रहे नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/हैदराबाद/भाषा। केरल और तेलंगाना की सरकारों ने शनिवार को कहा कि चीन में वायरल बुखार और श्वसन संक्रमण के बड़े पैमाने पर मामले आने की खबरों पर वे बारीकी से नजर रख हुए है और फिलहाल घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि चीन में सामने आये किसी भी वायरस के बारे में अब तक ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं मिली है, जिसमें इसके महामारी का रूप लेने या अन्य क्षेत्रों में तेजी से फैल सकने की बात कही गई हो। उन्होंने कहा कि मलयाली लोग दुनिया के सभी हिस्सों में हैं और चीन समेत अन्य देशों के प्रवासी अक्सर राज्य में आते हैं, इसलिए अतिरिक्त सावधानी बरती जानी चाहिए। जॉर्ज ने कहा, ''हम चीन में स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

यदि किसी ऐसे प्रकोप का पता चलता है जिसके अन्य क्षेत्रों में फैलने का खतरा है, तो हम इसके प्रसार को बहुत जल्द रोक सकते है।''

मंत्री ने लोगों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों से अतिरिक्त सतर्कता बरतने का आग्रह किया और उनसे मास्क पहनने का अनुरोध किया।

तेलंगाना के जन स्वास्थ्य निदेशक बी रविंदर नायक ने एक बयान में कहा कि राज्य में अब तक ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का कोई मामला सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में प्रचलित श्वसन संक्रमण के आंकड़ों का विश्लेषण किया और पाया कि दिसंबर 2024 में एक साल पहले इसी महीने की तुलना में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। तेलंगाना जन स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से कुछ 'क्या करें और क्या न करें' संबंधी निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है।

भाजपा वह माचिस है जिसने मणिपुर को जला दिया : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वह माचिस है जिसने पूर्वोत्तर के इस प्रदेश को जला दिया।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी जी, आपकी मणिपुर की आखिरी यात्रा जनवरी, 2022 में भाजपा के लिए वोट मांगने को लेकर थी। 3 मई 2023 को राज्य में हिंसा भड़क उठी। 600 से अधिक दिन बीत चुके हैं और खबरों से अब पता चला है कि राज्य में गांव के गांव मिटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हाल में ताजा हिंसा तब देखी गई जब भीड़ ने कांगपोकपी जिले में पुलिस अधीक्षक पर हमला कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप वह घायल हो गए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आपके (मोदी) अक्षम और बेशर्म मुख्यमंत्री (बीरेन सिंह) ने खेद व्यक्त किया है, लेकिन राज्य में आपकी अनुपस्थिति को आसानी से उजागर भी कर दिया है। खरगे ने कहा, हम पूरी जिम्मेदारी के साथ दोहरा रहे हैं कि 250 से अधिक निर्दोष लोगों की मौत और 60,000 लोगों के विस्थापित होने के साथ खूबसूरत सीमावर्ती राज्य को तनाव में बनाए रखने में भाजपा के कुछ निहित स्वार्थ हैं।

हीरा गीत महिला मंडल ने जरुरतमंदों को बांटे वस्त्र, बर्तन व कम्बल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सेपिंग रोड हीराबाग स्थानक में हीरा गीत महिला मंडल द्वारा पार्श्वनाथ जयंती कल्याणक के उपलक्ष्य में 300 से अधिक जरुरतमंद लोगों को वस्त्रदान, अन्नदान और पात्रदान किया गया। गत 16 वर्ष से प्रतिवर्ष आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में 300 चटाइयां, कम्बल, बर्तन, भोजन व राशन सामग्री का वितरण किया गया।महिला मंडल की अध्यक्ष सपना संघवी ने अतिथियों का स्वागत किया। सुनीता सियाल ने संचालन करते हुए मंडल की गतिविधियां बताई।

इस मौके पर शांताबाई धोका, लीलाबाई सेठिया सहित मंडल की अन्य सदस्याएं व हीराबाग संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अम्मा के 49वें जन्मोत्सव पर पाद पूजा

वेल्लूर श्रीपुरम के श्री नारायणी पीठम के संस्थापक श्री शक्ति अम्मा की 49वें जन्मोत्सव कर विभिन्न मठों के मंदिर के पुजारियों ने दिव्य प्रसाद चढ़ाया और भक्तों ने नारायणी महल में श्री शक्ति अम्मा की पाद पूजा की। इस आयोजन में में पीठ के ट्रस्टियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और भक्तों ने भाग लिया।

सहज स्मृति योग

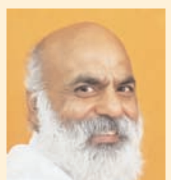

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप कहते हैं कि गुरु और शिष्य के मध्य घटित होने वाला सम्बन्ध अस्तित्व का एक मात्र ऐसा सम्बन्ध है जिसमें दो अस्मिताएँ नहीं होतीं । मेरी जिज्ञासा यह है कि गुरु और शिष्य सम्बन्ध में कैसे अस्मिता विहीन अस्मिता संभव है? वह भी तो अन्य संबंधों की तरह ही एकाधिक मनुष्यों के मध्य घटित होने वाला सम्बन्ध है।

उत्तर: नहीं वह अन्य संबंधों जैसा नहीं है बल्कि अन्य सब सम्बन्ध उसके जैसे होने का आदर्श पालते हैं। वह अद्वितीय है क्योंकि इस सम्बन्ध में केवल शिष्य का अस्तित्व विद्यमान होता है। आप किसी भी अन्य सांसारिक सम्बन्ध को ले लीजिए उसे सर्वव्यापी नहीं कह सकते क्योंकि सब में कम से कम दो अस्मिताएँ आवश्यक हैं। जैसे इष्ट हैं तो उनके उपासक हैं। एक भी उपासक नहीं तो किसके या किसको इष्ट? माता या पिता हैं तो उनकी संतति है।पति है तो उसकी पत्नी है। केवल गुरु एक मात्र अस्मिता विहीन अस्मिता होती है क्योंकि भले ही कोई पूर्ण परमात्मा ही क्यों न हो किंतु वह भी अपने आप को गुरु कह नहीं सकता और यदि कहता है तो रह नहीं सकता। यह उसी की दी गई मर्यादा है जोकि तार्किक रूप से बोध गम्य भी है। जो स्वयं को गुरु कहेगा उसकी अवनति के लोक मन में प्रकाशित होने में भले ही कुछ अवधि लग जाए पर यथार्थ में तो लोक-मन उसे तत्क्षण पद दलित कर देता है। क्योंकि सृष्टि के अन्य सब सम्बन्ध, परम् सम्बन्ध के इसी ईश्वरीय अद्वैत आदर्श को अपने जीवन में मर्यादा पूर्वक दर्पित करने से अपनी सहज पूर्णता को प्राप्त करते हैं। इसलिए उस पर कोई एकाधिकार घोषित नहीं करता। और, तब उन सब में प्रेम, धर्म, सत्य, अहिंसा और सौन्दर्य का अमर, अनंत, सनातन भाव स्थिर और स्थायी हो पाता है।

पंजाब की महिलाओं ने केजरीवाल के घर के बाहर किया प्रदर्शन, वादे से मुकरने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब की महिलाओं के एक समूह ने शनिवार को यहां आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि उनकी पार्टी राज्य में महिलाओं को 1,000 रुपए की मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के अपने वादे को पूरा करने में 'विफल' रही है।

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने कहा, केजरीवाल ने तीन साल पहले हमसे किए गए वादे क्यों नहीं पूरे किए? वह उन्हें कब पूरा करेंगे?''

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हमने तीन साल पहले 1,000 रुपए के लिए फॉर्म भरा था। तीन साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन हमें अब तक कोई पैसा नहीं मिला है।

प्रदर्शनकारियों में शामिल कांग्रेस विधायक अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा, केजरीवाल ने पंजाब की महिलाओं को 1,000 रुपए देने का वादा किया था, लेकिन आज तक उन्हें कुछ नहीं मिला। अब वह दिल्ली की महिलाओं को 2,100 रुपए देने का वादा कर रहे हैं।

वडिंग ने कहा, हम इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से दिल्ली की महिलाओं को बताना चाहते हैं कि ये सिर्फ खोखले वादे हैं जो कभी पूरे नहीं होते। एक अन्य महिला प्रदर्शनकारी ने कहा, हम यहां अपना हक मांगने आए हैं। हम पंजाब में आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए झूठे वादों के लिए न्याय चाहते हैं।

दिल्ली विस चुनाव के लिए भाजपा-कांग्रेस को गठबंधन की औपचारिक घोषणा करनी चाहिए : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपने गठबंधन की औपचारिक घोषणा करनी चाहिए।

केजरीवाल की यह टिप्पणी ऐसे समय सामने आई है जब दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दोनों विपक्षी दल पूर्व मुख्यमंत्री पर हमले तेज कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ मीडियाकर्मियों को छोड़कर लोगों ने इस पार्टी (कांग्रेस) को गंभीरता से लेना बंद कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के लिए इन दोनों दलों (भाजपा और कांग्रेस) के बीच ''पर्दे के पीछे गठजोड़'' है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के दोनों सहयोगी 'आप' और कांग्रेस के बीच संबंध उस समय खराब हो गए थे जब दोनों दल हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन करने में विफल रहे थे। 'आप' ने केजरीवाल को कथित तौर पर ''राष्ट्र-विरोधी'' कहने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है और गठबंधन से कांग्रेस को हटाने के लिए 'इंडिया' के अन्य दलों से संपर्क साधने की धमकी दी है। इससे पहले शनिवार को कुछ महिलाओं ने केजरीवाल के फिरोजशाह रोड स्थित आवास के बाहर प्रदर्शन किया और पंजाब में 1,000 रुपए मासिक मानदेय देने की मांग की। पंजाब में भी आम आदमी पार्टी की सरकार है।

बीड सरपंच हत्याः फरार आरोपियों समेत तीन लोगों को दो शहरों से गिरफ्तार किया गया

मुंबई/भाषा। पुलिस ने बीड के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में शामिल दो फरार आरोपियों सहित तीन लोगों को पुणे और कल्याण से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि दो वांछित आरोपियों सुदर्शन चंद्रभान घुले (26) और सुधीर सांगले (23) को पुणे से पकड़ा गया, जबकि सिद्धार्थ सोनवणे को ठाणे जिले के कल्याण से पकड़ा गया।

घुले और सांगले का नाम हत्या के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी में दर्ज है, जबकि सोनवणे का नाम जांच के दौरान सामने आया।

सूत्रों ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि मसाजोग गांव निवासी सोनवणे सरपंच देशमुख की गतिविधियों पर नजर रखता था और अन्य आरोपियों को इसकी जानकारी देता था।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सुदर्शन चंद्रभान घुले और सुधीर सांगले को गिरफ्तार कर उन्हें आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंप दिया है।

धामी ने ट्वीड जैकेट पहनकर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में मलारी, मुनस्यारी और पहाड़ों के अन्य स्थानों के ट्वीड से बने जैकेट पहनना शुरू किया है। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा देने के लिए ऐसा किया।

राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और उनकी ब्रांडिंग को मजबूत करने के लिए यह पहल की गई।

धामी ने एक बयान में कहा, हमारा उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर उत्तराखंड की संस्कृति और परंपरा को जीवित रखना है। मुनस्यारी के ट्वीड जैसे उत्पाद हमारी समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। सरकार स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

उन्हें इन दिनों अपने आधिकारिक और पार्टी के कार्यक्रमों में मुनस्यारी और मलारी के स्थानीय कारीगरों के ट्वीड जैकेट और मफलर पहने देखा जा सकता है।

धामी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राज्य सरकार के अधिकारी और कर्मचारी स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके और स्थानीय ऊन से बने परिधान पहनकर इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न केवल पारंपरिक कारीगरों और उत्पादकों को आर्थिक बल मिलेगा, बल्कि उत्तराखंड के अनूठे हस्तशिल्प और उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी मदद मिलेगी।

टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की

मुंबई/भाषा। टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और राज्य की आर्थिक वृद्धि में तेजी लाने के लिए टाटा ट्रस्ट और सरकार के बीच सहयोग पर चर्चा की।

फडणवीस ने दक्षिण मुंबई में मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई इस बैठक के बारे में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, हमने विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की, जहां टाटा ट्रस्ट और मंत्री समूह हमारे राज्य की वृद्धि में तेजी लाने के लिए सहयोग कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने टाटा ट्रस्ट और राज्य सरकार के बीच मजबूत और स्थायी साझेदारी को बढ़ावा देने के बारे में विश्वास जताने के लिए टाटा को धन्यवाद दिया। नोएल टाटा ने पिछले साल रतन टाटा की जगह टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन का पद संभाला था। रतन टाटा का नौ अक्टूबर, 2024 को निधन हो गया था। टाटा ट्रस्ट के पास नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

उद्योग जगत ने शुरुआती प्रतिरोध के बाद प्लाईवुड, एमडीएफ बोर्ड पर क्यूसीओ को अपनाया

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि शुरुआती प्रतिरोध के बाद प्लाईवुड और एमडीएफ बोर्ड उद्योग अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों (क्यूसीओ) को लागू करने पर सहमत हो गया है, क्योंकि उन्होंने उच्च गुणवत्ता मानकों का पालन करने के दीर्घकालिक फायदों को पहचान लिया है। उन्होंने कहा कि भारत आधुनिक मानक लागू कर रहा है, जो दुनिया के अन्य भागों, विशेषकर विकसित देशों में प्रचलित मानकों के साथ सामंजस्य स्थापित करते हैं।

मंत्री ने कहा कि गुणवत्ता पर भारत का निरंतर ध्यान अब देश के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचाना और सराहा जा रहा है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और घटिया वस्तुओं के आयात में कटौती करने के लिए प्लाईवुड, एमडीएफ बोर्ड और लकड़ी के अन्य उत्पादों के लिए क्यूसीओ पेश किए थे। घरेलू उद्योग के विरोध के कारण क्यूसीओ के क्रियान्वयन की अवधि बढ़ा दी गई। ये अनिवार्य मानदंड घरेलू और विदेशी कंपनियों के लिए होंगे।

गोयल ने पीटीआई-भाषा से कहा, शुरू में उद्योग की ओर से काफी प्रतिरोध किया गया था। हमने उनके साथ कई बैठकें कीं और अब अंतत: उद्योग को स्वयं ही उच्च गुणवत्ता मानकों पर ध्यान देने की महत्ता का एहसास हो गया है, खासकर तब जब वे उस गुणवत्ता का उत्पादन कर रहे हों। उन्होंने कहा कि 10-12 दिन पहले देशभर के विनिर्माण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पूरे उद्योग ने बैठक की थी और अनुरोध किया था कि इन उत्पादों पर क्यूसीओ लगाया जाना चाहिए।

'ओवरहेड' तार में खराबी के कारण कोंकण रेलवे मार्ग पर ट्रेन सेवाएं प्रभावित

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में रत्नागिरी स्टेशन के नजदीक कोंकण रेलवे मार्ग पर 'ओवरहेड' तार में खराबी आ जाने के कारण शनिवार को लगभग एक घंटे तक ट्रेन सेवाएं प्रभावित रहीं।

यह घटना मुंबई से करीब 365 किमी दूर आदिवली में दोपहर करीब 12:35 बजे हुई।

एक अधिकारी ने कहा कि एक घंटे से अधिक समय के बाद सेवा बहाल की दी गई। हालांकि, इस मार्ग की ज्यादातर रेलगाड़ियां तीन से चार घंटे की देरी से चल रही हैं।

कोंकण रेलवे को दोपहर करीब 12.35 बजे ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट) तार में खराबी का सामना करना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि ट्रेन सेवा लगभग 13.55 बजे फिर से शुरू हुई।

उन्होंने कहा कि आदिवली में 'सिंगल लाइन' पर फंसी कई रेलगाड़ियों को उचित स्थान पर पहुंचाने के लिए डीजल इंजन भेजे गए।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सेना का वाहन खाई में गिरने से तीन जवानों की मौत, दो घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सेना के एक वाहन के खाई में गिरने से तीन सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर जिले में एसके पायन के पास सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। उन्होंने बताया कि तीन जवानों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सेना की चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बांदीपोरा जिले में दायित्व निर्वहन के समय खराब मौसम और कम दृश्यता की स्थिति के कारण भारतीय सेना का एक वाहन फिसलकर खाई में गिर गया। इसने कहा, घायल सैनिकों को स्थानीय कश्मीरी लोगों की सहायता से चिकित्सा देखभाल के लिए तुरंत बाहर निकाला गया। हम तत्काल सहायता प्रदान करने वाले नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। सेना ने कहा, दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में तीन वीर जवानों की जान चली गई। भारतीय सेना शोकसंतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जवानों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक संदेश में कहा, बांदीपोरा में दुखद सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के जवानों की मौत से अत्यंत दुखी हूं।

कृषि मंत्री ने बजट से पहले राज्यों के साथ योजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को राज्य के कृषि मंत्रियों के साथ विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और केंद्रीय बजट से पहले चल रहे कार्यक्रमों और बजट आवंटन पर उनके सुझाव मांगे।

एक सरकारी बयान के अनुसार, एक आभासी बैठक के दौरान, चौहान ने वित्तवर्ष 2024-25 में कृषि और संबद्ध क्षेत्र की 3.5-4 प्रतिशत की संभावित उच्च वृद्धि दर पर संतोष व्यक्त किया और राज्य सरकारों से तेज गति से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट का स्वागत किया, जिसमें दिखाया गया है कि ग्रामीण गरीबी दर वित्तवर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत से घटकर वित्तवर्ष 2024 में पहली बार पांच प्रतिशत से नीचे आ गई है। मंत्री ने कहा कि केंद्र कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए छह सूत्री रणनीति को लागू कर रहा है, जिसमें आईसीएआर द्वारा अनुसंधान के माध्यम से प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाना और नई बीज किस्में जारी करना शामिल है। सरकार उत्पादन लागत कम करने, सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने, कृषि मशीनीकरण, प्रौद्योगिकी अपनाने और नई कृषि पद्धतियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। चौहान ने पीएम-किसान, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डीएपी उर्वरक सब्सिडी, किसान क्रेडिट कार्ड और प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएमएएएसए) सहित प्रमुख योजनाओं में प्रगति पर प्रकाश डाला।

आरएसएस है भाजपा और आप की मां, दोनों दल करते हैं हिंदुत्व का पालन : औवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) वैचारिक रूप से एक हैं और आरएसएस दोनों दलों की मां है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आप में कोई अंतर नहीं है तथा वे दोनों हिंदुत्व का पालन करते हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा और आप द्वारा दिल्ली चुनाव को लेकर हिंदुत्व की राजनीति की जा रही है, ओवैसी ने संवाददाताओं से कहा, मां (आरएसएस) ने उन्हें (भाजपा और आप) बनाया। आरएसएस ने जनसंघ बनाया और बाद में 1980 में भाजपा का गठन हुआ। दूसरे का (गठन हुआ) 2012-13 में हुआ। बहुत बड़ा संस्थान है। यह प्रयोगशाला में विकसित हिंदुत्व है। इसका (आप) वहीं गठन किया गया था। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में चुनाव लड़ेगी, लेकिन यह कितनी सीट पर चुनाव लड़ेगी, इसका फैसला पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष करेंगे।

एआईएमआईएम अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दिल्ली में कचरा उन इलाकों में फेंका जा रहा है, जहां मुस्लिम रहते हैं। ओवैसी ने कहा कि आम आदमी पार्टी यह कहकर नाटक करती है कि उसने स्कूल और अस्पताल बनाए हैं। उन्होंने कहा कि विकास के दावे झूठे हैं और यह मुसलमानों के इलाकों में देखा जा सकता है। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीर सावरकर के नाम पर कॉलेज की आधारशिला रखे जाने से जुड़े सवाल पर ओवैसी ने कहा कि वह मोदी से पूछना चाहेंगे कि राजग सरकार कपूर जांच आयोग के निष्कर्षों को स्वीकार करती है या नहीं, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि सावरकर महात्मा गांधी की हत्या की साजिश का हिस्सा थे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अजमेर दरगाह के लिए चादर भेजे जाने से कोई फायदा नहीं है और सरकार को मौजूदा मस्जिदों या दरगाहों को लेकर अदालतों में दायर किए जा रहे दावों को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए।

कटरा-बनिहाल खंड पर ट्रेन परिचालन का पहला प्रायोगिक परीक्षण सफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बनिहाल/जम्मू/भाषा। हिमालय और बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच से गुजरने वाले खंड पर ट्रेन परिचालन का पहला प्रायोगिक परीक्षण शनिवार को सफल रहा। इस ट्रेन को कटरा-बनिहाल खंड पर सफलतापूर्वक चलाया गया जो अगले सप्ताह अंतिम वैधानिक सुरक्षा निरीक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेलवे सुरक्षा आयुक्त निरीक्षण के बाद कश्मीर के लिए रेल सेवा शुरू करने को लेकर रिपोर्ट सौंपेंगे।

रेलवे ने पिछले महीने पटरी के विभिन्न खंडों पर छह परीक्षण किए हैं, जिनमें भारत का पहला केबल के सहारे बना रेल पुल, अंजी खाद पुल और कौरी में चिनाब नदी पर बना मशहूर मेहराब वाला पुल (आर्क ब्रिज) शामिल है। यह 'आर्क ब्रिज' दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ) संदीप गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, सुरक्षा परीक्षणों के तहत हमने आज का परीक्षण किया। हम इस प्रयोगिक परीक्षण का हिस्सा थे और यह सफल रहा।

गुप्ता ने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त सात और आठ जनवरी को वैधानिक निरीक्षण और परीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा, इसके बाद आयुक्त एक रिपोर्ट सौंपेंगे जो कश्मीर के लिए ट्रेन सेवाएं शुरू करने पर आगे की कार्रवाई का मार्गदर्शन करेगी। गुप्ता ने कहा, अब तक सब कुछ ठीक रहा है। हम 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से कटरा लौटेंगे। जब रेलवे सुरक्षा आयुक्त परीक्षण करेंगे, तो वे 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा करेंगे। यह परीक्षण उसी तैयारी का हिस्सा है।

ठेकेदार आत्महत्या मामला

भाजपा ने मंत्री प्रियंक खरगे के खिलाफ किया प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बीदर के एक सिविल ठेकेदार की आत्महत्या के मामले में शनिवार को मंत्री प्रियंक खरगे के इस्तीफे की मांग को लेकर यहां विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चालवडी नारायणस्वामी ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

कड़ी सुरक्षा के बीच भाजपा नेता बड़ी संख्या में जगत सर्किल पर एकत्र हुए और हाथों में तख्तियां लेकर मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा द्वारा प्रियंक खरगे के आवास को घेरने की योजना के चलते, मंत्री ने एक अनोखे तरीके से उनका मुकाबला करने का फैसला किया। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए एहतियात के तौर पर आवास के बाहर पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था।

खरगे के एक समर्थक ने बताया, 'हमने प्रदर्शन के कारण थकने वाले भाजपा नेताओं के लिए नारियल, कॉफी, चाय, बोतलबंद पेयजल की व्यवस्था की है।' प्रियंक ने विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए संवाददाताओं से कहा कि न तो वह और न ही सरकार विपक्ष की मांग और दबाव की रणनीति के आगे झुकेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के खिलाफ कई मामले हैं, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामला भी शामिल है। येडीयुरप्पा भाजपा के प्रदेश प्रमुख विजयेंद्र और शिवमोग्गा के सांसद बी वाई राघवेंद्र के पिता हैं।

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर दबाव बढ़ाते हुए भाजपा ने ठेकेदार की आत्महत्या की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने और खरगे के इस्तीफे की मांग दोहराई है। सिविल ठेकेदार सचिन पंचाल ने 26 दिसंबर को बीदर जिले में चलती ट्रेन के आगे लेटकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

पंचाल ने सुसाइड नोट में प्रियंक खरगे के करीबी राजू कपनूर पर आरोप लगाया कि उन्होंने उन्हें यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर किया। ठेकेदार ने आरोप लगाया कि उन्हें कपनूर को एक करोड़ रुपये देने के लिए जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं, जिन्होंने आरोपों को अस्वीकार कर दिया।

लोकायुक्त ने अंबेडकर विकास निगम में 16.85 करोड़ रुपये के भूमि आवंटन घोटाले का खुलासा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विजयपुरा जिला के अंबेडकर विकास निगम में 16.85 करोड़ रुपये मूल्य का भूमि आवंटन घोटाला सामने आया है, जहां अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय की भूमिहीन महिलाओं को आवंटित किये जाने वाले भूखंडों के लिए फर्जी दस्तावेज बनाए गए थे।

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में 88 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के हालिया खुलासे के मद्देनजर लोकायुक्त अधिकारियों ने एक शिकायत के आधार पर कई अधिकारियों के कार्यालयों पर छापेमारी के बाद अंबेडकर विकास निगम में घोटाले का खुलासा किया था। लोकायुक्त द्वारा शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार, एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि विजयपुरा जिला अंबेडकर विकास निगम ने 2014 से 2018 तक भूमि स्वामित्व योजना के तहत अनुसूचित जाति की भूमिहीन महिला कृषि श्रमिकों को भूखंड वितरित नहीं की। शिकायत के मुताबिक, उन्होंने लाभार्थियों के नाम पर फर्जी खरीद दस्तावेज बनाए और निगम के नाम का इस्तेमाल करते हुए वास्तविक लाभार्थियों को भुगतान किए बिना जमीन खरीदी।

लोकायुक्त ने कहा कि आरोपी अधिकारी एससी-एसटी महिलाओं को भूखंडों पर कब्जा दिलाने में विफल रहे, नियमों का उल्लंघन किया, सरकारी धन का दुरुपयोग किया और पैसे का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए किया। जांच की गई और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत 26 दिसंबर 2024 को विजयपुरा लोकायुक्त पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया।

लोकायुक्त पुलिस ने अंबेडकर विकास निगम के पूर्व जिला प्रबंधकों, रेणुका सतारले, एसजी हदापाड़ा, सेवानिवृत्त तालुक विकास अधिकारी एसएस मानागिरी और निगम के वर्तमान जिला प्रबंधक और तालुक विकास अधिकारी के कार्यालय और आवासों पर पिछले साल 30 दिसंबर से पांच दिन तक छापेमारी की।

लोकायुक्त ने कहा, ''जांच के दौरान भूमि स्वामित्व योजना के तहत लाभार्थियों के चयन के मानदंडों का उल्लंघन पाया गया। यह भी पाया गया कि फर्जी दस्तावेज बनाए गए थे और गैर-स्थानीय व्यक्तियों को ऐसा दिखाया गया था जैसे कि उन्होंने योजना के तहत जमीन खरीदी हो।'' जांच से पता चला कि भूमि स्वामित्व योजना के तहत निजी बैंकों में अवैध तरीके से खाते खोले गए, अपात्र लाभार्थियों को जमीन आवंटित की गई और एक ही परिवार को जमीन आवंटित की गई। इस मामले की जांच अभी जारी है।

तेज रफ्तार ट्रक से कुचलकर दो बहनों की मौत

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु में बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के एक तेज रफ्तार ट्रक ने कथित तौर पर दो महिलाओं को कुचल दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों मृतक महिलाएं बहन थीं और उनकी उम्र 30 और 36 वर्ष थी। पुलिस के अनुसार पूर्वाह्न करीब 11.20 पर बीबीएमपी के कूड़ा ढोने वाले ट्रक ने दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोनों महिलाएं सड़क पर गिर गईं और ट्रक के पहियों के नीचे आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीबीएमपी ट्रक के आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने कहा,शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) (लापरवाही से मौत का कारण बनना) और धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाना) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।'' पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सीबीआई ने 18 साल बाद तिहरे हत्याकांड में पुडुचेरी से दो लोगों को गिरफ्तार किया

कोच्चि/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उन दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जो कोल्लम जिले के अंचल में एक महिला और उसकी जुड़वां बेटियों की कथित तौर पर हत्या करने के बाद 18 साल से फरार थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी दिबिल कुमार और भारतीय सेना के पूर्व जवान राजेश को पुडुचेरी से गिरफ्तार किया गया। कुमार अंचल का और राजेश कन्नूर का निवासी है।

अभियोजक के अनुसार, दोनों को शनिवार को कोच्चि की एक अदालत में पेश किया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामला फरवरी 2006 में रंजिनी और उसकी जुड़वां बेटियों की कथित हत्या से संबंधित है। सूत्रों के अनुसार, रंजिनी और दिबिल कुमार के बीच प्रेम संबंध थे और बाद में रंजिनी गर्भवती हो गई। कुमार ने अपने दोस्त राजेश की मदद से रंजिनी की हत्या कर दी। केरल पुलिस और सीबीआई दोनों ने पहले की जांच के दौरान आरोपियों की पहचान की थी।

भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया गोशाला योजना बंद करने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस सरकार पर राज्य में गायों की रक्षा के उद्देश्य से शुरू की गई 'गोशाला' योजना पर कथित रूप से रोक लगाने का आरोप लगाया है। पूर्व की भाजपा सरकार के दौरान शुरू की गई इस योजना के तहत राज्य भर में 35 गोशालाओं को मंजूरी दी गई थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार इस पहल को खत्म कर रही है। भाजपा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गाय की रक्षा करना इस भूमि की संस्कृति की रक्षा करने जैसा है। कांग्रेस सरकार ने भाजपा द्वारा शुरू की गई उस योजना को नकार दिया है जिसमें सभी जिलों में एक गौशाला खोलने का प्रावधान था। मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए पार्टी (कांग्रेस) ने दावा किया कि पर्याप्त गायों की कमी के कारण गोशालाएं बंद की जा रही हैं। भाजपा ने कहा, गौशालाओं में गायों का न होना तो बस एक बहाना है। अगर इरादा नेक होता तो ये सुविधाएं पहले ही सक्रिय रूप से काम कर रही होतीं। हम कांग्रेस सरकार से गोशालाओं के संरक्षण और विकास की प्रतिबद्धता की उम्मीद कैसे कर सकते हैं, जो हमेशा गोमांस खाने वालों के बारे में चिंता करती है?

भाजपा ने इस कथित कदम की निंदा करते हुए कहा कि इससे करोड़ों गोभक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं। हालांकि सिद्दरामय्या सरकार ने स्पष्ट रूप से बताया है कि गोशाला योजना को समाप्त करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद बृहस्पतिवार को पत्रकारों को जानकारी देते हुए विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने कहा कि मंत्रिमंडल ने मौजूदा 14 गोशालाओं को सशक्त करने के लिए प्रशासनिक मंजूरी भी दे दी है। पाटिल के अनुसार 35 नई गोशालाओं पर काम शुरू हो चुका है जिनमें से 14 का काम पूरा हो चुका है। सरकार मौजूदा गोशालाओं को चुस्त दुरुस्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण स्थिति में बीज अंकुरित हुए : इसरो

बेंगलूरु/नई दिल्ली। इसरो ने शनिवार को कहा कि 'पीएसएलवी-सी60 पीओईएम-4 प्लेटफॉर्म' पर अंतरिक्ष में भेजे गए लोबिया के बीज मिशन के प्रक्षेपण के चार दिन के भीतर सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण परिस्थितियों में अंकुरित हो गए हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण स्थितियों में पौधों के विकास का अध्ययन करने के लिए विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के कक्षीय पादप अध्ययन प्रयोग के लिए 'कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल' के हिस्से के रूप में लोबिया के आठ बीज भेजे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अंतरिक्ष में हुआ जीवन का अंकुरण! 'पीएसएलवी-सी60 पीओईएम-4' के माध्यम से वीएसएससी के सीआरओपीएस प्रयोग में 4 दिन में लोबिया के बीज सफलतापूर्वक अंकुरित हुए।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में अतुल सुभाष की पत्नी और ससुराल वालों को जमानत मिली

बेंगलूरु। कर्नाटक में बेंगलूरु शहर की एक अदालत ने आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में शनिवार को इंजीनियर अतुल सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया, उसकी मां निशा सिंघानिया और भाई अनुराग सिंघानिया को जमानत दे दी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, तीनों आरोपी अदालत के समक्ष पेश हुए।

सुभाष ने नौ दिसंबर को बेंगलूरु में आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने अलग रह रही पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। सुभाष ने आरोप लगाया था कि उसके ससुराल वालों ने तलाक के लिए उस पर तीन करोड़ रुपये देने का दबाव बनाया था। सुभाष ने 40 पन्नों के अपने सुसाइड नोट और डेढ़ घंटे के वीडियो में ये आरोप लगाए थे। पुलिस ने सुभाष की पत्नी समेत तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया, उन्हें गिरफ्तार किया और उत्तर प्रदेश से बेंगलूरु लायी।

कर्नाटक में सनातन बोर्ड की स्थापना के लिए हिन्दुओं का एकजुट होना आवश्यक : संत देवकीनंदन ठाकुर

कर्नाटक राज्य के 'दूसरा मंदिर सम्मेलन' का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'बहुत सह लिया, अब नहीं सहेंगे ! हिन्दू हक लेकर रहेंगे! समय की मांग है..सनातन बोर्ड जरूरी है !' इस शक्तिशाली उद्घोषणा के साथ संत देवकीनंदन ठाकुर जी ने उपस्थित हिन्दुओं को जागृत किया। उन्होंने यह जोर देते हुए कहा कि सनातन को हमेशा स्वतंत्र रहना चाहिए और कर्नाटक सरकार से राज्य में सनातन बोर्ड की स्थापना करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिरों की रक्षा करना हमारी संस्कृति को बचाने के लिए आवश्यक है, और यह तभी संभव होगा जब हिन्दू एकजुट होंगे।

कर्नाटक मंदिर महासंघ और हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित कर्नाटक राज्य का 'दूसरा मंदिर सम्मेलन' का उदघाटन बेंगलूरु के बसवेश्वरनगर स्थित गंगम्मा तिम्मैया कन्वेंशन हॉल में शंखनाद के साथ हुआ।

उद्घाटन में प्रतिष्ठित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। अतिथियों में विश्व शांति सेवा ट्रस्ट के संस्थापक संत देवकीनंदन ठाकुर, धर्मप्रचारक संत रमानंद गौड़ा, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमिला नेसर्गी, मुजराई विभाग के पूर्व आयुक्त नंदकुमार, श्रृंगेरी महासंस्थान के पूर्व प्रशासक आरवी गौरीशंकर, वरलक्ष्मी चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक गोबिन्द बाबू पुजारी, मंदिर महासंघ के राष्ट्रीय समन्वयक सुनील घनवट आदि ने मिलकर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में राज्य भर से मंदिर ट्रस्टी, प्रतिनिधि, पुजारी और मंदिर संरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे अधिवक्ता उपस्थित थे। वक्ताओं ने मंदिर महासंघ की पहल की देशव्यापी सफलता पर प्रकाश डाला, जो हिन्दुओं के अटल समर्थन के कारण संभव हुई। महासंघ के राज्य समन्वयक मोहन गौड़ा ने कर्नाटक में मंदिरों के विकास और सुरक्षा के लिए हिन्दुओं से एकजुट होने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सनातन संस्थान द्वारा प्रकाशित 'कैसे मरीजों की श्रद्धा से सेवा करें?' पुस्तक का विमोचन किया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमिला नेसर्गी ने कहा कि सनातन बोर्ड की सफलता के लिए हिंदू संगठन बहुत महत्वपूर्ण है। सम्पूर्ण भारत देश पवित्र है। मंदिरों की रक्षा तभी हो सकती है जब देश के बहुसंख्यक हिंदुओं की रक्षा हो। मंदिरों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ-साथ राजयंगम भी किया जाना चाहिए। भगवान श्री राम के आदर्शों को देखते हुए जब सनातन धर्म में सत्य धर्म होगा तो विजय निश्चित है। प्रत्येक मंदिर से जुड़े लोगों को धर्मसभा में भाग लेना चाहिए, तभी सनातन बोर्ड सफल हो सकता है।

श्रद्धांजलि

बेंगलूरु में शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कर्नाटक प्रांतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष वरिष्ठ कम्युनिस्ट सेनानी जी.सी. बयारेड्डी के अंतिम दर्शन किए और परिवार व साथियों के दुख में शामिल हुए।

रंग परिषद को सार्थक ढंग से संचालित किया जाना चाहिए

बेंगलूरु। रंग परिषद को सार्थक ढंग से चलाएं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सुझाव दिया कि थिएटर के बारे में व्यापक जानकारी उंगलियों पर उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने कर्नाटक नाटक अकादमी की वेबसाइट का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। अकादमियों को सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। जीवन को पूर्ण बनाने के लिए कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सभी अकादमियों को इस दिशा में काम करना चाहिए। जो भी नए प्रयास होंगे, सरकार समर्थन में खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार अकादमी को आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने प्रधानमंत्री की ओर से अजमेर दरगाह में चादर चढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को अजमेर दरगाह पर जारी उर्स के दौरान सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती की मजार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजी गई चादर चढ़ाई। दरगाह पर उन्होंने प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ा, जिसमें सभी धर्मों के लोगों से सद्भावना के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया गया है। मंत्री ने दरगाह का वेब पोर्टल, तीर्थयात्रियों के लिए 'गरीब नवाज' ऐप और 'उर्स' के संचालन के लिए एक संचालन मैनुअल भी लॉन्च किया। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती को गरीब नवाज के नाम से भी जाना जाता है।

रीजीजू ने चादर पेश करने के बाद पत्रकारों से कहा, आज मैं प्रधानमंत्री मोदी की ओर से चादर लेकर दरगाह आया हूं। मुझे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती दरगाह आने का सौभाग्य मिला है। मैंने शांति के लिए कामना की। उन्होंने कहा, अजमेर दरगाह का संदेश पूरी दुनिया को जाता है। प्रधानमंत्री की भेजी चादर पेश करने के साथ ही मैंने उनका संदेश भी पढ़ा। प्रधानमंत्री हर साल दरगाह पर चादर भेजते रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि हर संप्रदाय और हर धर्म के लोगों को एक साथ आकर देश, समाज व विश्व शांति के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां लाखों लोग आते हैं और उन्हें शांतिपूर्वक दुआ मांगने का मौका मिलना चाहिए, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को। उन्होंने कहा, इसके लिए एक व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए एक मैनुअल जारी किया गया है और मैं इस व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अपने मंत्रालय की ओर से हर संभव मदद उपलब्ध कराने का प्रयास करूंगा।

उन्होंने कहा, यहां आएं और महसूस करें कि दरगाह का हमारे जीवन पर कितना प्रभाव है। इस अवसर पर दरगाह समिति के प्रतिनिधि, खादिम और अन्य हितधारक उपस्थित थे। मंत्री के दौरे के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मंत्री जयपुर के लिए विमान से रवाना हुए और फिर सड़क मार्ग से अजमेर पहुंचे। हवाई अड्डे पर भाजपा के राज्य अल्पसंख्यक मोर्चा के नेताओं ने उनका स्वागत किया। रीजीजू ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, उर्स के इस पावन अवसर पर हम चाहते हैं कि देश में अच्छा माहौल बने।

किसी को भी ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे हमारे देश का सौहार्द प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि चाहे हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, ईसाई हो, पारसी हो, बौद्ध हो या जैन हो, दरगाह में सभी का स्वागत होता है। अजमेर की स्थानीय अदालत में दरगाह के संबंधित दावे के बारे में पूछे जाने पर रीजीजू ने कहा, मैं सिर्फ चादर चढ़ाने आया हूं।

उन्होंने कहा, मैं यहां किसी को कुछ दिखाने या बताने नहीं आया हूं, मैं देश के लिए (प्रधानमंत्री) का संदेश लेकर आया हूं कि हमारे देश के सभी लोग अच्छे से रहें। पिछले वर्ष नवंबर में अजमेर की एक अदालत ने एक याचिका स्वीकार की थी जिसमें दावा किया गया था कि दरगाह शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई है। अदालत ने अजमेर दरगाह समिति, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को नोटिस जारी किए थे। याचिकाकर्ता हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने प्रधानमंत्री से इस बार चादर नहीं भेजने का आह्वान किया था। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में अजमेर दरगाह पर 'उर्स' का आयोजन किया जाता है। प्रधानमंत्री हर साल दरगाह के लिए चादर भेजते हैं।

बाड़मेर जिले में हुए वर्षा जल संरक्षण के कार्य देश में बनी मिसाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। पीने के पानी की समस्या से जूझ रहे रेगिस्तानी जिला बाड़मेर जिले में बारिश के पानी को संजोकर रखने के संबंध हुआ देश मे सबसे बेहतर कार्य एक मिसाल बन गया है। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने बताया कि गत एक वर्ष में केन्द्र सरकार के कैच द रैन अभियान के तहत बाड़मेर जिले में देश में सर्वाधिक स्माल रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का हुआ निर्माण हुआ है। इसमें नौ मार्च से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक जिले में विभिन्न योजनाओं में 43 हजार रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण हुआ है, जबकि पूरे राजस्थान में 83 हजार रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण हुआ है।

उन्होंने बताया कि बाड़मेर जैसे मरूस्थलीय जिले में बारिश के पानी को बचाना यहां की संस्कृति रही है। यहां गत एक वर्ष में स्थानीय लोगों और विभिन्न विभागों के सहयोग से रिकॉर्ड रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण करवाया गया है। इन स्ट्रक्चर के बनने से स्थानीय आबादी को बारिश का साफ पानी पूरे वर्ष भर पीने को मिलेगा। एक स्ट्रक्चर में लगभग 30 से 40 हजार लीटर पानी का संग्रहण होता है। उन्होंने बताया कि इन स्ट्रक्चरों में बरसाती पानी को सहेजकर रखा जाता है। बारिश के बाद गर्मियों के दिनों में तीन से पांच महीने तक पेयजल उपलब्ध हो जाता है। लोगों का कहना है कि ये स्ट्रक्चर यहां की जरूरत हैं क्योंकि जो गांव ढाणी में बैठा है और वह पानी का इंतजार कर रहा है।

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बाड़मेर जिले में पानी की उपलब्धता को लेकर 750 परिवारों पर एक सर्वे करवाया गया, जिसमें पाया गया कि यहां अधिकांश आबादी द्वारा डेढ़ से दो किलोमीटर दूरी से पीने का पानी ला जा रहा है। इन स्ट्रक्चर के बनने के बाद ढाणी या मकान के पास ही मीठे पानी उपलब्ध हो रहा है, जिससे उनका समय और श्रम दोनों बच रहे हैं।

कई इलाकों में तापमान बढ़ोतरी ने कड़ाके की सर्दी से राहत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में बीते 24 घंटे के दौरान तापमान में हुई बढ़ोतरी ने कड़ाके की सर्दी से राहत दिलाई है, जबकि कुछ हिस्सों में कोहरा तथा सर्दी का प्रकोप जारी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह टोंक के वनस्थली में न्यूनतम तापमान सबसे कम 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अनुसार न्यूनतम तापमान झुंझुनू के पिलानी में 6.5 डिग्री, दौसा में 6.7 डिग्री, अलवर में सात डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 7.2 डिग्री, संगरिया (हनुमानगढ़) में 7.4 डिग्री, नागौर में 7.7 डिग्री और जयपुर में आठ डिग्री सेल्सियस रहा। अन्य स्थानों पर न्यूनतम तापमान आठ डिग्री से अधिक रहा। आईएमडी के अनुसार राज्य में कुछ स्थानों पर घना से बेहद घना कोहरा दर्ज किया गया, ऐसे में श्रीगंगानगर, भरतपुर, दौसा में कम दृश्यता कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि आगामी 24 घंटे ऐसा ही मौसम बना रहेगा और इस दौरान बीकानेर संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

अंग्रेजी माध्यम के सरकारी स्कूलों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की भाजपा सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए अंग्रेजी माध्यम के सरकारी स्कूलों की समीक्षा के लिए चार सदस्यीय एक मंत्रिस्तरीय समिति का गठन किया है। कैबिनेट सचिवालय के आदेश के अनुसार, राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अनुमति के बाद इस समिति का गठन किया है। इस समिति के अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा हैं और स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा सदस्य हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में स्कूली शिक्षा मंत्री रहे गोविंद सिंह डोटासरा ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा है कि भाजपा सरकार नहीं चाहती कि गरीब-मध्यम वर्ग और अभावग्रस्त तबके के बच्चे अंग्रेजी शिक्षा हासिल करे। डोटासरा ने 'एक्स' पर लिखा, भाजपा नेताओं को तकलीफ इस बात से है कि कमजोर, शोषित और पीड़ितों के बच्चे अंग्रेजी शिक्षा हासिल करके कहीं इनकी बराबरी न कर लें। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार नहीं चाहती कि गरीब-मध्यम वर्ग और अभावग्रस्त तबके के बच्चे अंग्रेजी शिक्षा हासिल करे, जबकि भाजपा नेताओं के बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों और विदेशों में पढ़ते हैं।

उन्होंने कहा, सरकार द्वारा गठित समीक्षा समिति राजनीतिक दुर्भावना एवं पूर्वाग्रह से प्रतीत होती है। चार सदस्यीय समिति में न तो कोई शिक्षाविद है और न ही कोई विशेषज्ञ, उसमें सिर्फ सरकार के मंत्री हैं। राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है, शिक्षा मंत्री से लेकर इनके नेता अंग्रेजी माध्यम स्कूलों पर ताला लगाने की तरफदारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने शिक्षा में क्रांतिकारी निर्णय करते हुए हर वर्ग के बच्चों के लिए महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोले।

पशुओं में दर्द निवारक दवा निमोस्लाइड पर प्रतिबंध से पक्षी विशेषज्ञों में खुशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। देश में तेजी से लुप्त हो रहे दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों की घटती संख्या को देखते हुये पशुओं के दर्द निवारक के काम आने वाली दवा निमोस्लाइड पर केंद्र सरकार की ओर से बैन लगाने के निर्णय पर पर्यावरणविदों एवं पक्षी विशेषज्ञों ने खुशी जतायी है। जैसलमेर जिले में विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों, गिद्धों, दि ग्रेट इंडियन बस्टर्ड आदि के संरक्षण एवं उन्हें बचाने में जुटी कई संस्थाओं, विभिन्न बर्ड्स प्रेमियों ने गत 30 दिसम्बर को केन्द्र सरकार द्वारा एक गजट नोटिफिकेशन जारी कर पशुओं के दर्द निवारक दवा निमोस्लाइड पर बैन लगाने के निर्णय पर हर्ष जाहिर करते हुये केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया है।

दरसअल हर साल की तरह राजस्थान में खासकर सर्दी के मौसम में जैसलमेर, बीकानेर सहित कई जिलों में शेड्यूल फर्स्ट के वन्य जीव प्राणी दुर्लभ प्रजातियों के गिद्धों का आना जारी है, लेकिन इनकी संख्या में हर वर्ष गिरावट देखी जा रही है। लगातार गिद्धों की घटती संख्या को देखते हुये वैज्ञानिक रिसर्च में सामने आया है कि निमोस्लाइड नामक दर्द निवारक दवाई के बाद मृत पशुओं को खाने से गिद्धों की मौत होती है। पशुओं के मृत शरीर को भोजन बनाने वाले गिद्ध इस दवा के दुष्प्रभाव की चपेट में आ रहे हैं।

वरिष्ठ पक्षी एवं पर्यावरण विशेषज्ञ राधेश्याम पेमानी ने बताया कि पशुओं में आमतौर पर निमोस्लाइड दर्द निवारक दवा का उपयोग किया जाता है, लगातार गिद्धों की घटती संख्या को देखते हुए वैज्ञानिक रिसर्च में सामने आया है कि इस दर्द निवारक दवाई के बाद मृत पशुओं को खाने से गिद्धों की मौत होती है। उन्होंने बताया कि निमोस्लाइड पी एक कॉम्बिनेशन दवा है जो दर्द से राहत देने में मदद करती है। इसका इस्तेमाल रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एंकीलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस और ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में दर्द और सूजन से राहत के लिये किया जाता है। इसके पशुओं को देने के बाद मृत पशुओं को खाने से जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क (डीएनपी), पोकरण पशु बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण में हर वर्ष प्रवास पर आने वाले हजारों गिद्धों में से बड़ी संख्या में दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों की मृत्यु हो रही है जो कि अत्यंत चिंताजनक माना गया। पक्षी विशेषज्ञ एवं देग राय ओरण के कॉर्डिनेटर पर्यावरणविद सुमेर सिंह भाटी ने बताया कि जैसलमेर जिले में खासकर देगराय ओरण सहित अन्य भागों में कुल सात दुर्लभ प्रजाति के हजारों गिद्ध एक साथ नजर आते हैं, लेकिन दर्दनिवारक दवाओं के पशुओं को देने एवं उन पशुओं की मृत्यु के बाद जैसलमेर प्रवास पर आने वाले गिद्धों द्वारा भोजन के रूप खाने के बाद पिछले पांच वर्षों में सैकड़ों गिद्धों की हुई है मौत हुई है। इसको देखते हुये बड़े पैमाने पर कई स्तर पर डाइक्लोफेनेक के बाद निमोस्लाइड नामक दर्द निवारक दवा पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ रही थी, इसके संदर्भ में अब केन्द्र सरकार ने 30 दिसम्बर को गजट नोटिफिकेशन निकाल कर इस प्रतिबंध लगा दिया है जो कि अत्यंत हर्ष का विषय है।

पक्षी विशेषज्ञ पार्थ जगानी ने बताया कि कभी भारत में पांच करोड़ से ज्यादा गिद्ध पाये जाते थे लेकिन 1990 के बाद गिद्धों की संख्या कम होनी शुरू हुई। वर्ष 1990 के दशक का मध्य आते-आते भारत में गिद्ध लगभग खत्म हो गये। एक्सपर्ट्स ने गिद्धों के खत्म होने के पीछे डाइक्लोफिनेक एवं निमोस्लाइड नामक दवाओं को सबसे बड़ा जिम्मेदार ठहराया था। यह गाय, भैंस और तमाम पशुओं को दी जाने वाली एक सस्ती पेन किलर थी, जो गिद्धों के लिये काल साबित हुई। इस दवा को खाने वाले मृत मवेशी को जब गिद्ध खाते थे, तो उनकी किडनी फेलियर से मौत हो जाती थी।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने हस्तशिल्प उत्सव का भूमिपूजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान के उद्योग और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले जोधपुर के सबसे बड़े हस्तशिल्प उत्सव का आगाज 9 जनवरी से होगा। इसे लेकर आज रावण चबूतरा मैदान में भूमिपूजन का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली और लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नौ जनवरी को इस 11 दिवसीय उत्सव का उद्घाटन करेंगे। इस बार उत्सव में 700 स्टॉल लगाए गए हैं, जिन्हें लॉटरी के माध्यम से वितरित किया गया है। उत्सव में उद्यमियों, महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष सेमिनार आयोजित किए जाएंगे साथ ही बच्चों के आकर्षण के लिए झूले और अन्य गतिविधियां भी रखी गई हैं। उत्सव में इस बार 30 फीट ऊंची स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा मुख्य आकर्षण रहेगी, साथ ही प्रतिदिन शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भूमि पूजन के अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, यह उत्सव उद्योग, हस्तशिल्प और व्यापार को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ उद्यमियों और खरीदारों के बीच एक मजबूत कड़ी बनकर उभरा है।

स्वर्गीय भैरोंसिंह शेखावत के समय से शुरू हुआ यह प्रयास आज नेशनल फेस्टिवल के रूप में प्रसिद्ध हो चुका है। उत्सव के दौरान उद्योग से जुड़े सेमिनारों के माध्यम से उद्यमियों की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा। शेखावत ने इस उत्सव को उद्योग और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए एक अद्वितीय मंच बताते हुए जनता से अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आग्रह किया है।

जसोल धाम श्रद्धा का केंद्र एवं दर्शनीय स्थल : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
वरङ्मीहळपलहरीरीं.लो

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को बालोतरा जिले के राणी भटियाणी मन्दिर संस्थान, जसोल (जसोल धाम) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राणीसा भटियाणीसा, बायोसा, भैरूजी, खेतलाजी, सवाईसिंह जी एवं लाल बन्नासा मंदिरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर संस्थान समिति सदस्य कुं. हरिश्चंद्र सिंह जसोल ने दिलावर को संपूर्ण मंदिर परिसर में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी। इसके बाद शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री ने मंदिर परिसर का निरीक्षण किया और विकास कार्यों की सराहना की।

उन्होंने मंदिर प्रबंधन के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मंदिर में शिक्षा, खेल,

चिकित्सा सहित पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हुए है। दिलावर ने मन्दिर संस्थान द्वारा एक विद्यालय को गोद लेने और शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक है तथा शिक्षा के प्रति एक मजबूत संदेश देता है।

मंत्री ने मंदिर परिसर को श्रद्धा का केंद्र और दर्शनीय स्थल बताते हुए कहा कि बहुत ही कम समय में इतना भव्य और सुंदर धार्मिक स्थल बनकर तैयार हुआ है। उन्होंने कहा, राणीसा भटियाणीसा (मां जसोल) के दर्शन कर एक अलग ही आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त हुआ। यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा है, साथ ही यहां से हर कोई सकारात्मक ऊर्जा लेकर जाता है। दिलावर ने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे यहां से प्रेरणा लेकर समाज के विकास और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दें। उन्होंने कहा कि मंदिर का यह वातावरण और विकास कार्य सभी के लिए प्रेरणादायक है।

राणी भटियाणी मन्दिर संस्थान, जसोल ने शिक्षा को सर्वोपरि मानते हुए जो संकल्प लिया है, वह पूरे क्षेत्र के लिए एक मिसाल है। मंत्री ने संस्थान की इस पहल को एक ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि यह भविष्य में समाज को नई दिशा देने का कार्य करेगा।

राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं से किया संवाद, स्वस्थ जीवन के लिए योग और व्यायाम अपनाने का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को छत्रपति संभाजी नगर में विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार और विद्यालयी छात्रछात्राओं को महापुरुषों के जीवन से सिख लेने का आह्वान किया। बागड़े ने शनिवार को स्थानीय गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में भागीदारी की। उन्होंने वहां पर आधारभूत सुविधाओं के विकास और स्थानीय जनों को शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल और अन्य सुविधाओं से लाभांवित किए जाने का आह्वान किया। निधोना गांव में राज्यपाल ने प्राथमिक विद्यालय का अवलोकन कर शिक्षा संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। वहां उन्होंने छात्र-छात्राओं के साथ आत्मीय संवाद भी किया। इसी तरह बिधूना गांव में चिकित्सा सुविधाओं के लिए उन्होंने एंबुलेंस का लोकार्पण किया। ग्राम पंचायत को एंबुलेंस की चाबियां सौंपते हुए उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए योग और व्यायाम अपनाने पर भी जोर दिया।

ट्रेलर ने बाइक को चपेट में लिया, युवती की मौत

उदयपुर। उदयपुर-पिंडवाड़ा हाईवे पर शनिवार को एक और दर्दनाक हादसा सामने आया। तेज रफ्तार ट्रेलर ने पहले बाइक को चपेट में लिया, फिर मिनी टूरिस्ट बस को टक्कर मार दी। इस हादसे में बस सवार 22 वर्षीय प्रांजल की मौत हो गई। हादसा गोगुंदा के पास खोखरिया नाल में हुआ। बेकरिया पुलिस स्टेशन के एसएचओ उत्तम सिंह के अनुसार, ट्रेलर उदयपुर से पिंडवाड़ा की ओर जा रहा था, और उसने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रेलर सड़क किनारे खड़ी मिनी टूरिस्ट बस से टकरा गया। ड्राइवर ने बस को रोका था, क्योंकि सवारी को उल्टी हो रही थी।

बीकानेर से दिल्ली : 7 फरवरी से रोजाना उड़ान सेवा शुरू होने की उम्मीद

बीकानेर। बीकानेर से नई दिल्ली के लिए 7 फरवरी से नियमित फ्लाइट सेवा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारापू राम मोहन नायडू ने इस बारे में बीकानेर के सांसद और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को आश्वासन दिया है। यह फ्लाइट सेवा इंडिगो एयरलाइंस द्वारा संचालित होगी।

इस पहल का श्रेय केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को जाता है, जिनके प्रयासों से यह सेवा बहाल हो रही है। भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री पंकज अग्रवाल ने मेघवाल के माध्यम से नागरिक उड्डयन मंत्री को एक मांगपत्र सौंपा था। बीकानेर के व्यापारियों और आमजन की मांग को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। इंडिगो की यह फ्लाइट सुबह 9:45 बजे बीकानेर पहुंचेगी और 10:05 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। इससे यात्रियों को सुबह ही दिल्ली पहुंचने की सुविधा मिलेगी, ताकि वे अपने काम उसी दिन निपटा सकें।

भगोड़ा घोषित होने बाद भी पेश नहीं होना ‘अलग अपराध’ : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने माना है कि किसी मामले में भगोड़ा घोषित किए जाने के बाद भी पेश नहीं होना ‘अलग अपराध’ है और भगोड़ा घोषित के निर्देश को रद्द किए जाने के बाद भी इस अपराध की सुनवाई जारी रह सकती है। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के जून 2023 के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर दो जनवरी को अपना फैसला सुनाया। पीठ ने कानूनी प्रश्नों पर विचार किया, जिसमें यह भी शामिल था कि क्या भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के प्रावधानों के तहत किसी अभियुक्त को अपराधी घोषित करने का दर्जा तब भी बना रह सकता है, जब उसे उसी अपराध के संबंध में मुकदमे के दौरान बरी कर दिया जाता है।

न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने कहा, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 174ए एक अलग, मूल अपराध है, जो सीआरपीसी की धारा 82 के तहत भगोड़ा घोषित किए जाने का आदेश वापस लिए जाने के बाद भी जारी रह सकता है। यह एक अलग अपराध है।

महाकुम्भ के दौरान अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न होः योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि महाकुम्भ के दौरान अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के सभागार में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ-2025 के दौरान अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, आश्रय स्थल आदि को लेकर एक समीक्षा बैठक की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुम्भ में 40 से 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जिसमें से अधिकांश श्रद्धालु अयोध्या भी आएंगे। उन्होंने कहा कि यहां श्रद्धालु रामलला, हनुमानगढ़ी, सूर्यकुंड समेत अनेक मंदिरों व स्थलों पर दर्शन करेंगे।

योगी ने कहा कि स्थानीय प्रशासन दर्शनार्थियों की सुरक्षा, दर्शन-पूजन, आश्रय स्थल आदि को लेकर सारी तैयारी पूर्ण कर ले। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में किसी भी श्रद्धालु को यहां परेशानी नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता पर जोर दिया और साथ ही यह भी कहा कि यहां अलाव आदि की भी समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

मंडलायुक्त गौरव दयाल ने महाकुम्भ के संबंध में अयोध्या में होने वाली तैयारियों को लेकर प्रस्तुतिकरण भी दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

योगी ने समीक्षा बैठक में स्थानीय प्रशासन, पुलिस व जिले के आलाधिकारी मौजूद रहे।

भारत एआई में अग्रणी बनने को प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उद्यमी एवं इन्फोसिस के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विशाल सिक्का से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, यह वास्तव में एक ज्ञानवर्धक बातचीत थी। भारत नवाचार और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एआई में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री सिक्का के पोस्ट का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने एआई, भारत पर इसके प्रभाव और आने वाले समय के लिए कई अनिवार्यताओं पर मोदी के साथ अपनी विस्तृत और व्यापक चर्चा पर प्रकाश डाला। सिक्का ने कहा, मैं बैठक से प्रेरित और विनम्र होकर लौटा, क्योंकि उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी का हम सब पर क्या प्रभाव पड़ता है, तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ इसका उपयोग किस प्रकार सभी का उत्थान कर सकता है।

असम में गोलपाड़ा के हिरासत शिविर से तीन रोहिंग्या फरार, तलाश में जुटी पुलिस

गोलपाड़ा/भाषा। असम में गोलपाड़ा जिले के एक हिरासत शिविर से तीन संदिग्ध रोहिंग्या फरार हो गए हैं जिन्हें पकड़ने के लिए पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि तीनों बृहस्पतिवार की रात अंधेरे का फायदा उठाकर मटिया स्थित शिविर की दीवार फांदकर भाग गए। पुलिस ने बताया कि उनके भागने का पता शुक्रवार को तब चला जब शिविर के अधिकारी हाजिरी ले रहे थे। तीन बंदियों की पहचान बोदी आलम, मुस्तफा कमाल और अब्दुल कादर के रूप में की गई है। पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) अखिलेश सिंह ने घटना की जांच करने के लिए शनिवार को ट्रांजिट कैंप का दौरा किया। यह हिरासत शिविर जनवरी 2023 में स्थापित किया गया था जिसमें राज्य में अवैध रूप से रह रहे कथित विदेशियों को रखा जाता है।

बिहारः ‘वैनिटी वैन’ के बारे में पूछने वाले पत्रकार पर भड़के प्रशांत किशोर

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर पटना में आमरण अनशन स्थल के पास मौजूद ‘वैनिटी वैन’ के बारे में सवाल पूछे जाने पर शनिवार को भड़क गए। पटना के गांधी मैदान से कुछ सौ मीटर की दूरी पर खड़ी ये ‘वैनिटी वैन’ कथित तौर पर कई लग्जरी सुविधाओं से लैस है। किशोर ने बृहस्पतिवार शाम को बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर गांधी मैदान में ‘आमरण अनशन’ शुरू किया था। किशोर (47) ने सवाल पूछने वाली महिला पत्रकार से कहा, आप वैनिटी वैन के बारे में क्या जानना चाहती हैं? आप देखना चाहती हैं कि मैं कहां शौच करता हूं। सवाल पर भड़के किशोर ने कहा, ऐसा लगता है कि आपके लिए यह सवाल कि हम कहां शौच जाएं, बीपीएससी उम्मीदवारों के भविष्य से ज्यादा महत्वपूर्ण है। क्या आप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके द्वारा प्राप्त सुविधाओं के बारे में सवाल पूछने की हिम्मत करेंगी? जिला प्रशासन ने किशोर और उनके 150 समर्थकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर धरना स्थल पर प्रदर्शन को ‘अवैध’ करार दिया।

सुरक्षाबलों पर नक्सली हमले की जांच के तहत बोकारो में कई ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने फरवरी 2024 में सुरक्षा बलों पर हुए नक्सली हमले की जांच के सिलसिले में शनिवार को झारखंड के बोकारो जिले में कई ठिकानों पर छापेमारी की। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, एनआईए की टीमों ने आठ जगहों पर संदिग्धों और नक्सलियों के सहयोगियों के परिसरों की तलाशी ली तथा लैपटॉप, मोबाइल फोन व मेमोरी कार्ड जैसे डिजिटल उपकरणों के साथ-साथ सिम कार्ड, पॉकेट डायरी और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए। बयान में कहा गया है कि जिन संदिग्धों और नक्सली सहयोगियों के परिसरों की तलाशी ली गई, वे प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सदस्यों से जुड़े थे और रसद सहायता प्रदान करने के साथ-साथ रंगदारी वसूलने में उनकी मदद करते थे।

यह मामला भाकपा (माओवादी) के नेताओं और कैडर की गैरकानूनी गतिविधियों और बोकारो के चतरो-चट्टी पुलिस थाने के वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर हमले से जुड़ा हुआ है।

घटना के दिन प्रतिबंधित संगठन के कमांडरों ने वारदात को अंजाम देने, युवाओं की भर्ती करने, रंगदारी वसूलने और सुरक्षा बलों पर हमले की साजिश रचने के लिए 15-20 नक्सली कैडर के साथ वन क्षेत्र (सुंदरी पहाड़ी) में डेरा डाला था।

मुंह में संविधान और बगल में मनुस्मृति लेकर नहीं घूम सकती भाजपाः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर दलितों तथा आदिवासियों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया और कहा कि सत्तारूढ़ दल मुंह में संविधान और बगल में मनुस्मृति लेकर नहीं घूम सकता।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कांग्रेस के ’जय बापू-जय भीम-जय संविधान’ अभियान का पैम्फलेट जारी करते हुए यह दावा भी किया कि गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया जाना देश की 90 प्रतिशत आबादी के अधिकारों पर चोट है’’। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आज हम ’जय बापू-जय भीम-जय संविधान’ अभियान का पैम्फलेट जारी कर रहे हैं, ताकि ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ तथ्यात्मक तरीके से यह बताया जा सके कि कैसे देश की 90 प्रतिशत आबादी के खिलाफ भाजपा साजिश रच रही है।

खेड़ा ने आरोप लगाया, बाबासाहेब अंबेडकर जी का अपमान या उनके खिलाफ साजिश इस देश के 90 प्रतिशत लोगों के अधिकारों का हनन है, उस पर चोट है।

गत 26 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी में हुई कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पार्टी ने तय किया कि पूरे देश में ’जय बापू-जय भीम-जय संविधान’ अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का समापन इस महीने 26 जनवरी को मध्य प्रदेश के महू में एक जनसभा के साथ होगा। महू बाबासाहेब की जन्मस्थली है।

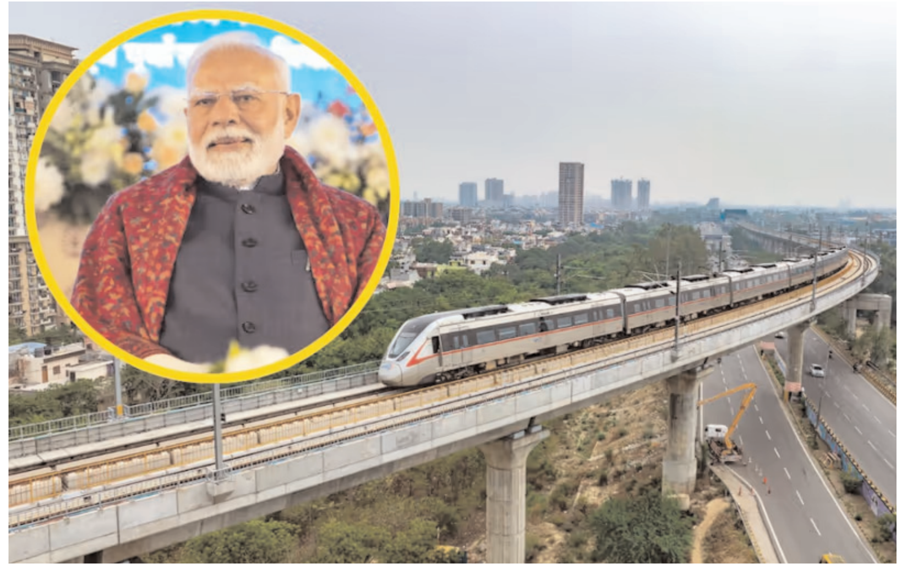

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे दिल्ली खंड का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच नमो भारत कॉरिडोर के अतिरिक्त 13 किलोमीटर लंबे दिल्ली खंड का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि उद्घाटन पूर्वाह्न करीब 11 बजे होगा और प्रधानमंत्री मोदी साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर की यात्रा करेंगे।

रविवार को शाम पांच बजे से यात्री परिचालन शुरू हो जाएगा और 15 मिनट के अंतराल पर ट्रेनें उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ तक का किराया स्टैंडर्ड कोच के लिए 150 रुपए और प्रीमियम कोच के लिए 225 रुपए है।

नवनिर्मित 13 किलोमीटर के खंड में से छह किलोमीटर हिस्सा भूमिगत है और इसमें कॉरिडोर का एक प्रमुख स्टेशन आनंद विहार भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार है, जब नमो भारत ट्रेनें भूमिगत खंड पर चलेंगी।

इस उद्घाटन के साथ ही नमो भारत ट्रेनें अब दिल्ली पहुंचेंगी।

भाजपा ने केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश वर्मा को उतारा, आतिशी का मुकाबला बिधूड़ी से

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के चुनाव के लिए 29 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की और नई दिल्ली सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया। पार्टी ने एक और पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को कालकाजी से उम्मीदवार बनाया है, जहां से मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी ‘आप’ की उम्मीदवार हैं। केजरीवाल वर्ष 2013 से नई दिल्ली सीट से विधायक हैं। इस बार उनका मुकाबला दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों से होगा। प्रवेश वर्मा 1990 के दशक में दो वर्ष के लिए मुख्यमंत्री रहे साहिब सिंह वर्मा के बेटे हैं। पश्चिमी दिल्ली के पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा ने आधिकारिक उम्मीदवार घोषित होने से पहले ही इस सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी थी और कहा था कि पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं ने उनकी उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है।

हमारा लक्ष्य 2027 में विधानसभा चुनाव जीत कर ‘पीडीए’ की सरकार बनाना : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य 2027 में विधानसभा चुनाव को जीत कर पीडीए की सरकार बनाना और मौजूदा सरकार से सत्ता से बाहर करना है।

सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, अखिलेश यादव यहां पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय और प्रदेश संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

यादव ने कहा, हमारा लक्ष्य 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को जीत कर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की सरकार बनाना है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए अभी से सभी बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत करना है। जनता भाजपा सरकार से त्रस्त है। जनता लोकतंत्र और संविधान विरोधी भाजपा सरकार को हटाने के लिए तैयार बैठी है। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियों से प्रदेशवासियों को तबाही के सिवा कुछ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार में पूरी तरह से डूबी हुई है। यादव ने कहा कि भाजपा में माफियाओं की भरमार है और वह जनता की नहीं सुनना चाहती। बयान के अनुसार, यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, प्रदेश का दुर्भाग्य है कि यहां सत्ता में विराजमान योगी जी योगी नहीं है। वह भ्रष्ट योगी है। वह ईमानदार भी नहीं है। उन्होंने कहा भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। महंगाई चरम पर है। किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी, शिक्षक, अधिवक्ता सभी परेशान है।

पटाखे बनाते समय हुए धमाके के कारण मकान ढहने से पति-पत्नी की मौत

पारादीप (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में एक व्यक्ति और उसकी पत्नी की पटाखे बनाते समय हुए धमाके में मकान ढहने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार देर रात सदर थाना क्षेत्र के बड़ाबाग गांव में हुई।

उसने बताया कि धमाका इतना भीषण था कि मकान की छत और दीवारें ढह गईं। मृतकों की पहचान राजेश दास और उसकी पत्नी रानी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि राजेश के छोटे भाई परेश और उसकी पत्नी लक्ष्मीप्रिया इस घटना में घायल हो गए।

उसने बताया कि कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा है।

पुलिस, अग्निशमन सेवा और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बचाव अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक भवानी शंकर उद्गाता ने बताया कि धमाके के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

खरगे ने अजमेर शरीफ दरगाह के लिए चादर भेजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 813 वें उर्स के अवसर पर शनिवार को अपने और अपनी पार्टी की तरफ से चादर भेजी। उन्होंने यह भी कहा कि पूरी दुनिया को इससे यह संदेश जाना चाहिए कि हिंदुस्तान में क़ौमी इत्तेहाद और भाईचारा की जड़ें इतनी गहरी हैं कि वे चंद झोंकों और विकृत सोच के लोगों द्वारा हिलाई नहीं जा सकती हैं।

खरगे ने कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी को यह चादर भेंट की और इसे जल्द ही अजमेर शरीफ दरगाह पर पेश किया जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन, पूर्व सांसद मोहम्मद अजहरुद्दीन और कुछ अन्य नेता मौजूद थे। खरगे ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, इंतेहाई अक़ीदत व एहतराम के साथ मैं ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ मोइनुद्दीन चिश्ती के 813 वें उर्स मुबारक के मौक़े पर अपनी और कांग्रेस पार्टी की ओर से चादर रवाना करते हुए ख़ुद को बेहद ख़ुशक़िस्मत महसूस कर रहा हूं। कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते आज उस परंपरा को निभाने का मौका मिला, जो साल-दर-साल हमारी पार्टी निभाती है। उन्होंने कहा, इसके पीछे देश के हर नागरिकों का कल्याण और विश्व कल्याण की भावना है। चादर चढ़ाने के पीछे हमारे देश की गंगा-जमुनी तहज़ीब, क़ौमी एकता, आपसी भाईचारा, प्यार व मोहब्बत, अदब और रवादारी की अलामत है। खरगे ने कहा कि पूरी दुनिया को इससे यह संदेश जाना चाहिए कि हिंदुस्तान में क़ौमी इत्तेहाद और भाईचारा की जड़ें इतनी गहरी हैं कि वे चंद झोंकों और विकृत सोच के लोगों द्वारा हिलाई नहीं जा सकती हैं।

खरगे ने कहा, हमारे पुरखों ने संविधान बनाते समय कौमी एकता की भावना को केंद्र में रखा था, जिसकी हिफ़ाज़त करना हर भारतीय का कर्तव्य है। खरगे ने कहा, यहां मैं ये याद दिलाना चाहूंगा कि 2025 हमारे महान नायक महात्मा गांधीजी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी का साल है। 1924 में उनकी अध्यक्षता में देश भर के लोग बेलगांव में एकत्र हुए थे और उन्होंने छुआछूत, भेदभाव और नफरत की भावना के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया था। उन्होंने कहा, हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि नफरत के सौदागरों ने ही हमसे राष्ट्रपिता को छीना है, लेकिन उनके विचार जिंदा हैं, जिसे लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार जनता के सरोकारों को आगे रख कर संघर्ष कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, इसलिए, अमन चैन और भाईचारे का संदेश ख़्वाजा की दरगाह से पूरी दुनिया में जाना चाहिए। हम दुआ करें कि मुल्क के अंदर अमन, शांति, प्यार व मोहब्बत, जम्हूरियत और सदियों पुरानी गंगा-जमुनी तहज़ीब चांद और सूरज की मौजूदगी तक कायम रहे।

पहली पारी में पंत की रक्षात्मक बल्लेबाजी हैरान करने वाली थीः मैकडोनाल्ड

सिडनी/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने शनिवार को कहा कि ऋषभ पंत के की दूसरी पारी में की गई आक्रामक बल्लेबाजी से वह चिंतित नहीं है लेकिन मैच के शुरुआती दिन इस बल्लेबाज की अति रक्षात्मक रवैया उनके लिए हैरान करने वाला था। पंत ने पहली पारी में क्रीज पर 149 मिनट बिताये और शरीर पर कई चोटें खाते हुए 98 गेंदों में 40 रन बनाए। पंत ने इस पारी के बाद कहा था कि वह आक्रमण करने की मानसिक स्थिति में नहीं थे। इस बल्लेबाज ने हालांकि दूसरी पारी में विपरीत अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मिचेल स्टार्क की लगातार गेंदों पर बड़े छक्के जड़े। उन्होंने बोलैंड और ब्यू वेबस्टर को भी नहीं बख्शा और दोनों गेंदों के खिलाफ छक्के लगाये। मैकडोनाल्ड ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहूंगा कि पंत की आज की बल्लेबाजी को देखकर काई हैरानी नहीं हुई। हम हालांकि पहली पारी में उनकी बल्लेबाजी से थोड़े हैरान थे।

जसप्रीत बुमराह की पीठ में ऐंठन, चिकित्सकों की निगरानी में हैंः तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा शनिवार को कहा कि कप्तान जसप्रीत बुमराह की पीठ में ऐंठन है और भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में लक्ष्य का बचाव करते समय मेडिकल स्टाफ से इस स्टार तेज गेंदबाज की उपलब्धता को लेकर जानकारी का इंतजार कर रही है। बुमराह चोट के कारण एहतियाती स्कैन (जांच) कराने के बाद ड्रेसिंग रूम में लौट आए। उन्हें यहां लंच के बाद केवल एक ओवर गेंदबाजी करने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा था।

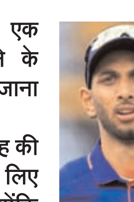

इस टेस्ट में बुमराह की गेंदबाजी भारत के लिए काफी अहम होगी क्योंकि टीम ने अपनी दूसरी पारी में 141 रन पर छह विकेट गंवा दिए है और उसकी कुल बढ़त सिर्फ 145 रन की है। कृष्णा ने दूसरे दिन के खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, उनकी पीठ में ऐंठन थी। वह स्कैन के लिए गए थे। मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। जब मेडिकल टीम हमें कोई जानकारी देगी तभी इस बारे में कुछ पता चलेगा। बुमराह कुल मिलाकर तीन घंटे और 20 मिनट तक मैदान से दूर रहे, लेकिन उनकी वापसी से ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी से पहले भारतीय खेमे की चिंताएं कम हो सकती हैं। बुमराह की अनुपस्थिति में विराट कोहली ने टीम का नेतृत्व किया।

बुमराह इससे पहले पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण 2022 और 2023 के बीच लगभग एक साल तक क्रिकेट से बाहर रहे थे। शृंखला में पहले ही 32 विकेट ले चुके बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 10 ओवरों में 33 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने सुबह के सत्र में मार्नस लाबुशेन का विकेट लिया था। लंच के बाद अपने स्पैल में एक ओवर फेंकने के बाद बुमराह को कुछ असुविधा महसूस हुई। उन्होंने कोहली से बात की और मैदान से बाहर चले गए और फिर आधिकारिक प्रसारकों ने उन्हें टीम के सुरक्षा संपर्क अधिकारी और टीम डॉक्टर के साथ मैदान से बाहर जाते हुए दिखाया। ‘फॉक्स स्पोर्ट्स’ के दृश्यों में उन्हें एक एसयूवी में स्टेडियम से बाहर निकलते हुए दिखाया गया।

सुविचार

'जो व्यक्ति दूसरों की बिना किसी भी स्वार्थपूर्ण उद्देश्य से मदद करता है, वो असल में खुद के लिए अच्छे का निर्माण कर रहा होता है।

ट्वीट

भाजपा सरकार की नीतियां केवल कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए विकास कार्यों को रोकने की है। पिछली भाजपा सरकार ने मेट्रो का काम अटकाकर प्रोजेक्ट का खर्च बढ़ाया और दूसरे फेज का काम बंदकर इसे राज्य सरकार के लिए वित्तीय रूप से नामुमकिन सा कर दिया।

-अशोक गहलोत

जोधपुर एम्स और डॉ.एस.एन. मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों की बैठक लेकर चिकित्सा व्यवस्था को परखा। डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज में ऑर्गन किडनी ट्रांसप्लांट की नियमित सुविधा और एमडीएम अस्पताल के समीप कॉटेज वार्ड पर विशेष रायशुमारी हुई।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

ठूंठ

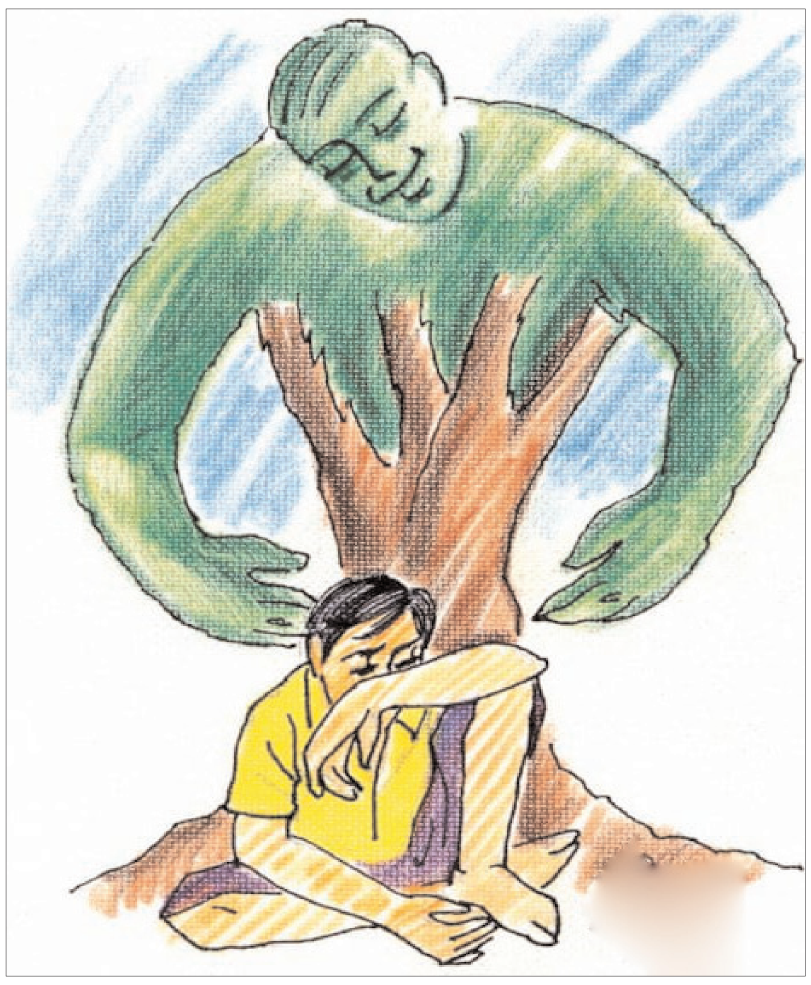

राजन अपने पैतृक शहर बीस वर्षों के बाद आया था। आज भी उसके जेहन में वक़्त के साथ बदल चुके इस शहर में अनेक रिश्तों से जुड़ी, अतीत की बिखरी यादें बसी थीं। पिछले महीने ही राजन के एक मित्र से बड़े भैया को उसका मोबाइल फोन नम्बर और शहर का पता चला था। इसके बाद परिवारजनों द्वारा बार-बार फोन कर बड़े भैया के पुत्र रोहन के वैवाहिक कार्यक्रम में उसे आने के लिए कहा जाने लगा था। वह इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यहां आया था। बड़े भैया के रोहन से छोटी दो पुत्रियां अभी कुंवारी थीं। उन्होंने एक मैरिज पैलेस बुक करवा रखा था। परिवार के सभी सदस्य और रिश्तेदार वहां मौजूद थे। उनमें से बहुत सदस्यों को वह नहीं पहचानता था। उन सभी से उसका परिचय करवाया गया।

मौसम की बदमिजाजी जारी थी। सर्द मौसम में कभी तेज तो कभी धीमी बारिश के कारण सर्दी ज्यादा बढ़ गई थी। दोपहर के बाद सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हो गए थे। लम्बे अरसे के बाद राजन अपने मां और बाबूजी के साथ एक कमरे में बैठा बातचीत कर रहा था। इस दौरान उसने बाबूजी से रोहन की होने वाली पत्नी और परिवार के बारे में पूछा। यह सुनते ही बाबूजी के चेहरे के भाव बदलने लगे और वे शांत होकर शून्य में ताकने लगे। उनकी आंखों में जमी गहरी खामोशी और सन्नाटा अतीत की ढेर सारी घटनाओं के साथ उनके अनुभव को बयाँ कर रहे थे।

राजन के इस सवाल ने मानो ठंडी हवा के झोंके की तरह बाबूजी को अंदर तक झकझोर दिया था। बहुत देर की खामोशी के बाद कुछ विचलित से बाबूजी कहने लगे रोहन की होने वाली पत्नी उसके साथ ही हॉस्पिटल में डॉक्टर है। अपनी जाति की नहीं है। फिर भी दोनों परिवारों की सहमति से यह विवाह हो रहा है। बच्चों की खुशी में ही हम सब की खुशी है। यह कहते हुए उनके मन की टीस चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। राजन यह सुनकर हैरान रह गया और सर्दी में भी पसीने की बूंदें उसके माथे पर चमकने लगी। बाबूजी यहां के हर नजारे को शांत दिल और दिमाग से अपनी नजरों से गुजरते हुए देख रहे थे। मानो अतीत में कुछ हुआ ही नहीं। परिवार के लोग शायद उस घटना को भूला चुके थे। लेकिन राजन कुछ भी नहीं भूला था। अतीत की वह घटना आज भी उसकी आंखों में बसी थी। जिसने उसके जीवन की दशा और दिशा ही बदल दी। राजन ने अपने दिल की बेकाबू होती धड़कनों पर किसी तरह काबू पाया। उसके दिल और दिमाग में चल रहे प्रश्नों के बवंडर का यहां किसी के पास कोई जवाब नहीं था। उसकी आंखों में छलक उठे। वह चाहते हुए भी मां - बाबूजी को कुछ नहीं कह पा रहा था। कुछ देर बाद वह अपने सूखे होठों पर बेजान हंसी लिए बिना किसी को कुछ बताए शहर के पास से गुजरने वाली नदी के तट की ओर चल पड़ा।

वहां जाकर उसने देखा कि प्राकृतिक विपदाओं और वक़्त के साथ शहर के फैलते दायरे के कारण नदी अपना रास्ता बदल चुकी थी। नदी में जगह-जगह सूखने से तलहटी पर पड़ी गहरी दरारों से बारिश का पानी वहां टिकता नहीं था।कभी राजन और नेहा ने मिलकर इस तट पर अनेक पौधे लगाए थे। पेड़-पौधों और हरियाली का अब वहां नामोनिशान नहीं था। फूलों की कुंज की महक से महकने वाली इस जगह पर आज जंगली फूलों और खरपतवार ने घर कर लिया था। यहां के माहौल में फूलों की महक के अलावा परिन्दों की आवाजें, फड़फड़ाहट अब याद बनकर रह गई थी। चारों ओर पसरे सन्नाटे को देखकर उसे लग रहा था मानो वह मरघट में आ गया था।

वीरान हुए इस नदी के तट पर कभी राजन और नेहा के दिल में आबाद हुई रोमानी दुनिया भी उजड़ चुकी थी। यहां की मिट्टी में उनके एक दूसरे के साथ बिताए अनमोल पलों की यादें और टूटकर बिखरे सपने दफ़न थे। कलकल बहती नदी का संगीत और नेहा की खनकती आवाज अब यहां सुनाई नहीं दे रही थी। भंवरों में फंसी उसकी प्रेम कहानी की इबारत को वक़्त की लहरों ने मिटा दिया था। राजन तट पर ठूंठ में तब्दील हो चुके एक पेड़ के नीचे बैठ गया। पेड़ सूखने से उसके नीचे की ठंडक गायब हो चुकी थी। कभी इसकी छांव में बैठकर उसने और नेहा ने एक दूसरे में लीन होकर बातें करते, हंसते मुस्कुराते साथ में भविष्य के सपने बुने थे। आज अपने अकेलेपन में वह नेहा की यादों के सहारे ज़िंदगी गुजार रहा था। यहां आकर वे सारी यादें उसके जेहन में ताजा हो उठीं और वह अतीत की स्मृतियों में खो गया।

इसी शहर की एक कॉलोनी में उसका और नेहा का मकान आमने सामने थे। एक साथ खेलते कूदते और पढ़ाई करते उनकी उम्र कब बचपन की दहलीज लांघ गई, उन्हे पता ही नहीं चला। कॉलेज की पढ़ाई के दौरान उनके जीवन में प्यार के पलों की आहट सुनाई देने लगी थी। यह आहत दोनों के परिवारजनों तक नहीं पहुंच पाई थी। लेकिन दोनों के नजदीकी मित्रों को उनके संबंध की तीव्रता का पता था और दोनों के आपस में विवाह के बारे में आश्वस्त थे। गुजरते वक़्त के साथ कॉलेज की पढ़ाई पूरी हो जाने के बाद नेहा के परिवार वालों ने उसके विवाह के लिए अच्छे वर का रिश्ता ढूंढने के प्रयास शुरु कर दिए थे। यह पता चलने पर उसने अपने परिवारजनों को अपने और नेहा के संबंध के बारे में बताया और विवाह की इच्छा जाहिर करी। यह सब सुनते ही बाबूजी ने आगबबूला होकर चेतावनी भरे लहजे में इस विवाह की किसी भी संभावना से इनकार कर दिया। उन्होंने अपना फैसला सुना दिया था। पूरा परिवार उनके इस फैसले से सहमत था। परिवारजनों का तर्क था कि इस विजातीय रिश्ते से समाज बिरादरी के लोग उनके बारे में गलत धारणा बना लेंगे। राजन की कुंवारी छोटी बहन और बड़े भैया की दो पुत्रियों का विवाह कैसे होगा? समाज में रहकर उन्हे समाज की परम्पराओं और मान्यता के अनुसार ही चलना होगा।

उस वक़्त वह अपने सामाजिक परम्परा और रूढ़ियों से ग्रसित परिवार को समझा नहीं पाया। वह नम आंखें लिए असहज होकर सब सुनता रहा। परिवार में उसका दर्द और विवशता समझने वाला कोई नहीं था। कोई भी उसकी मनोस्थिति को समझ नहीं रहा था। घर के किसी भी सदस्य ने उसका साथ नहीं दिया। बेरोजगारी और अनिश्चित भविष्य के चलते उसके पास दूसरा विकल्प नहीं था। उसने कहा कि वह विवाह करेगा तो सिर्फ नेहा से ही करेगा वरना आजन्म कुंवारा रहेगा। यह सुनकर बाबूजी ने कहा था तुम्हारी मां और मेरे जीवित रहते हुए यह विजातीय विवाह नहीं हो सकता। हमारे मरने के बाद तुम्हे जो करना हो कर लेना। उस समय वह ठूंठ की तरह उसने अपने प्रति अप्रसांगिक हो चुकी परिवार की संवेदनाओं को महसूस किया था। बाबूजी द्वारा नेहा के परिवार वालों को उसके और नेहा के संबंध और अपना निर्णय बताने के बाद, नेहा पर लगी पाबंदियों से उनकी मुलाकात भी संभव नहीं थी। गुजरते वक़्त के साथ एक सुबह आसमान उसके लिए उम्मीदों की बजाय दुःख की लालिमा से भरा था। उस सुबह उसे पता चला कि बिना किसी को बताए नेहा के परिवार वालों ने किसी दूसरे शहर जाकर नेहा का विवाह कर दिया। वक़्त के चलन से अनजान बाबूजी और उसके परिवार वालों की रूढ़िवादी सोच के तले उसका प्यार और सपने दम तोड़ चुके थे। नेहा उससे हमेशा के लिए दूर हो गई थी।उनका साथ छूटा ही नहीं बल्कि टूट गया था। उसकी की आंखों से आंसू बह निकले। अपने साथ हुए अन्याय से वह खुद को ठगा हुआ पा रहा था। यहां से आए ज़िंदगी में मोड़ ने उसका सुकून ही छीन लिया। उसके चेहरे पर दिल में दबे अरमान और उनका दर्द साफ दिखाई देता था। उसके लिए इस दर्द से उबरना आसान नहीं था। नेहा का साथ छूटने के बाद सामान्य होने में उसे बहुत समय लगा। एक दिन अपने हृदय पर लगे घावों के आजन्म मार्मिक क्रन्दन को लिए वह बिना किसी को बताए अपना घर और शहर छोड़कर चला गया।

वक़्त के साथ इंसान आहिस्ता - आहिस्ता सारे गमों को भूलने की कोशिश करता है। उनकी सिर्फ यादें रह जाती हैं। वह भी नेहा की यादों का अतीत का एक सिरा थामकर जी रहा था। पंख लगाकर उड़ते वक़्त के साथ एक नए शहर में उसने अपनी एक पहचान बना ली थी। लेकिन सब कुछ होते हुए भी उसके जीवन में एक अजीब सा अधूरापन था। यह था अकेलेपन का अधूरापन। जिसकी भरपाई के प्रति उसका अपना कभी संजीदा नहीं रहा। इतने वर्षों से उसे नेहा की भी कोई खोज खबर नहीं थी। वक़्त उसके चेहरे पर अपने निशान छोड़ते हुए जा रहा था। जबकि हमेशा की तरह ज़िंदगी उसकी आंखों के सामने अब भी जवान खड़ी थी।

मोबाइल फोन पर बज रही रिंगटोन सुनकर राजन वर्तमान में लौटा। बड़े भैया की कॉल थी। वे उसे जल्दी मैरिज पैलेस आने के लिए कह रहे थे। रास्ते में हल्की बारिश फिर से शुरु हो गई थी। बीस वर्ष पहले कहे गए बाबूजी के शब्द आज फिर से उसके कानों में गूंजने लगे थे। उस समय वह वक़्त और हालात से हार गया था। अपने साथ हुए व्यवहार को याद कर वह पैदल चलते हुए फूट - फूट कर रोने लगा। मैरिज पैलेस पहुंचने तक किसी तरह उसने खुद को संभाला। उसके जेहन में उठ रहे कई सवालों के बवंडर उसे परेशान कर रहे थे। बड़े भैया की दोनों पुत्रियां कुंवारी होने के बावजूद रोहन परिवार की सहमति से विजातीय विवाह कर रहा था? मां-बाबूजी और परिवार वालों को अब समाज बिरादरी की कोई परवाह नहीं थी? बड़े भैया की पुत्रियों के विवाह की किसी को भी अब चिंता नहीं थी? रिश्तों और मान्यरताओं के सूत्र और अर्थ बदल गए थे?

इन सवालों का जवाब शायद रोहन का आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर होना, मां-बाबूजी की बढ़ती उम्र के साथ बेबसी, विवशता और बदलती पारिवारिक प्राथमिकताएं रहे हों। यह भी सच था कि रोहन परिवार के लिए फल देने वाला एक पेड़ था। जिसकी कीमत उसे मिल रही थी। बारिश बंद होने के बाद देर रात को बारात के साथ वह भी लड़की वालों के यहां मैरिज गार्डन पहुंच गया।

उसे कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा था। वहां लॉन के एक कोने में कुर्सी पर बैठकर गीत- संगीत के नजारे देखने लगा। अचानक जानी पहचानी आवाज सुनकर वह चौंक गया। उसने देखा कि कुछ ही दूरी पर खड़ी नेहा किसी व्यक्ति से हंस-हंस कर बातें कर रही थी। नेहा की आवाज और सूरत आज भी उसकी स्मृतियों में बसी थी। नेहा को देखकर उसे लगा कि वर्षों बाद उसकी ज़िंदगी की बंजर जमीन पर असंख्य गुलाब खिल उठे थे। यह खुशनुमा अहसास होते ही वह अंदर तक भीग गया। नेहा भी उसे पहचान गई थी। लेकिन उसे देखकर बिना किसी आश्चर्य या उपेक्षा के भावों से नेहा के चेहरे पर एक अजीब सी तटस्थता थी।

हमेशा जवान रहने वाला वक़्त भी नेहा के आकर्षण को खारिज नहीं कर पाया था। ऐसा लगता था कि नेहा ने अतीत से बाहर आकर मुस्कुराते हुए ज़िंदगी जीना सीख लिया था। जबकि राजन अपने ही बनाए पिंजरे में कैद होकर ज़िंदगी जी रहा था। राजन की आंखों में छिपी वेदना को हर कोई पढ़ सकता था। उसके साथ हुए अन्याय के घाव भरे नहीं थे। उनका दर्द उसे आज भी उतना ही महसूस होता था। मानो उसके साथ अन्याय वर्षों पहले नहीं, आज ही हुआ था।

फिर से शुरु हुई बूंदाबांदी से बचने के लिए राजन पास में ही एक टीन शेड के नीचे खड़ा हो गया। इतने शोर में भी टीन शेड पर पड़ती बारिश की बूंदों की टिप - टिप की आवाज उसे साफ सुनाई दे रही थी। नेहा के उसके पास आने की उम्मीद में वह सोचने लगा कि इतने वर्षों बाद क्या बात करेगा? बातचीत का कोई सिरा उसकी पकड़ में नहीं आ रहा था। उसने इधर-उधर देखा लेकिन नेहा कहीं नजर नहीं आई। उसके मन में निराशा के काले बादल उमड़ने लगे। वह बदलते रिश्तों के भंवर में फंसा हुआ घुटन महसूस करने लगा था। कुहासा छाने से कई भागों में बटी ज़िंदगी के चित्र उसे धुंधले दिखने लगे थे।

कुछ देर बाद सुबह होने को थी। लेकिन वह जानता था कि उसकी ज़िंदगी की इस रात की सुबह कभी नहीं होगी। बूंदाबांदी थम जाने से टीन शेड पर बारिश की बूंदों की आवाज सुनाई देना बंद हो गई थी। मैरिज गार्डन के मुख्य द्वार पर वह ठूंठ की तरह खड़ा, अपनी वीरान हो चुकी दुनिया में बोझिल मन और सूनी आंखों से नेहा को पति के साथ कार में उनकी मंज़िल की ओर जाता देख रहा था।

सुधीर केवलिया
संपर्क : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

स्थितप्रज्ञ

एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर हमारी सोसायटी के पास ही रहा करते थे। सज्जन व्यक्ति थे।अकस्मात मृत्यु हो गई। एक दिन लगभग उसी जगह एक रिक्शा खड़ा देखा तो वे सज्जन याद आए। विचार उठा कि आदमी के जाने के बाद कोई उसे कितने दिन याद रखता है? चिता को अग्नि देने के बाद परिजनों के पास थोड़ी देर रुकने का समय भी नहीं होता।

एक घटना स्मरण हो आई। एक करीबी परिचित परिवार में शोक प्रसंग था। अंतिम संस्कार के समय, मैं श्मशान में उपस्थित था। सारी प्रक्रिया चल रही थी। लकड़ियाँ लगाई जा रही थीं। साथ के दाहकुंड में कुछ युवा एक अधेड़ की देह लेकर आए थे। उन्होंने नाममात्र लकड़ियाँ लेकर अधिकांश उपलों का उपयोग किया। श्मशान का कर्मचारी समझाता रह गया, पर केवल उपलों के उपयोग से से देह के शीघ्र फुँक जाने का गणित समझा कर अग्नि देने के तुरंत बाद वे सब चलते बने। हमें सारी तैयारी में समय लगा। दाह दिया गया। तभी साथ वाले कुंड पर दृष्टि गई तो जो दृश्य दिखा, उससे भीतर तक मन हिल गया। मानो वीभत्स और विदारक एक साथ सामने हों। उस देह का एक पाँव अधजली अवस्था में लगभग पचास अंश में ऊपर की ओर उठ गया था। अधिकांश उपलों के जल जाने के कारण देह के कुछ अन्य भाग भी दिखाई दे रहे थे।

श्मशान के कर्मचारी से सम्पर्क करने पर उसने बताया कि हर दिन ऐसे एक-दो मामले तो होते ही हैं, जिनमें परिजन तुरंत चले जाते हैं। बाद में फोन करने पर भी नहीं आते। अंततः मृत देह का समुचित संस्कार श्मशान के कर्मचारी ही करते हैं।

लोकमान्यता है कि जिसका कोई नहीं होता, उसका भी कोई न कोई होता है। अपनी कविता 'स्थितप्रज्ञ' याद हो आई-

शव को / जलाते हैं / दफनाते हैं,
शोक, विलाप / रुदन, प्रलाप,
अस्थियाँ, माँस, / लकड़ियाँ, बाँस,
बंद मुट्ठी लिए / आदमी का आना,
मुट्ठी भर होकर / आदमी का जाना,
सब देखते हैं /सब समझते हैं,
निष्ठा से / अपना काम करते हैं,
श्मशान के ये कर्मचारी
परायों की भीड़ में /अपनों से लगते हैं,
घर लौटकर /रोज़ाना की सारी भूमिकाएँ
आनंद से निभाते हैं / विवाह, उत्सव
पर्व, त्यौहार /सभी मनाते हैं
खाते हैं, पीते हैं / नाचते हैं, गाते हैं,
स्थितप्रज्ञता को भगवान,
मोक्षद्वार घोषित करते हैं,
संभवतः / ऐसे ही लोगों को,
स्थितप्रज्ञ कहते हैं..!

विश्वास हो गया कि जिसका कोई नहीं होता, उसका भी कोई न कोई होता है। इस स्थितप्रज्ञता को प्रणाम !

बोध कथा

ज्ञानी बालक और राजा

वर्षों पहले की बात है। युधिष्ठिर नाम का एक राजा हुआ करता था। उसे शिकार का बड़ा शौक था। एक बार वह अपने सैनिकों के साथ शिकार के लिए जंगल गया हुआ था। वो जंगल काफी घना था। शिकार की तलाश में वह जंगल में काफी अंदर तक चला गया था। तभी वहां अचानक तेज तूफान आ गया। सब तितर-बितर हो गए। जब बारिश रुकी तो राजा ने देखा कि उसके आस-पास कोई भी नहीं है। राजा अकेला था। उसके सैनिक उससे बिछड़ गए थे। शिकार की तलाश में भटकने की वजह से राजा थक भी गया था। भूख और प्यास के मारे उसका बुरा हाल हो रहा था। तभी उसे तीन लड़के आते दिखे। राजा उनके पास गया और बोला कि भूख और प्यास के मारे मेरी जान निकल रही है। क्या मुझे कुछ खाना और पानी मिल सकता है। लड़कों ने बोला क्यों नहीं और वे भागकर अपने घर गए और राजा के लिए भोजन और पानी लेकर आए। खाना खाने के बाद राजा बहुत खुश हुआ और उसने उन लड़कों को बताया कि वह फतेहगढ़ का राजा है और तीनों ने जो उसकी मदद की उससे वह बहुत खुश है।

राजा ने तीनों लड़कों की सेवा से खुश होकर उन्हें बदले में कुछ मांगने के लिए कहा। इसपर पहले लड़के ने राजा से ढ़ेर सारा धन मांगा, ताकि वह आराम से अपना जीवन व्यतीत कर सके। इसके बाद, दूसरे लड़के ने घोड़ा और बंगले की मांग की, लेकिन तीसरे लड़के ने राजा से धन, दौलत की जगह ज्ञान मांगा। उसने बोला राजा मैं पढ़ना चाहता हूं। राजा राजी हो गया। उसने पहले लड़के को वादानुसार बहुत सारा धन दिया। दूसरे लड़के को बंगला और गोड़ा दिया और तीसरे लड़के के लिए टीचर की व्यवस्था कर दी। बहुत दिन बीतने के बाद एक दिन अचानक राजा को जंगल वाली घटना याद आई, तो उसने उन तीनों लड़कों से मिलना चाहा। उसने तीनों को खाने पर आमंत्रित किया। तीनों लड़के एक साथ आए और खाना खाने के बाद राजा ने तीनों से उनका हाल लिया।

इस पर पहला लड़का दुखी होकर बोला- इतना धन पाने के बाद भी आज मैं गरीब हूं। राजा जी आपने जितना धन दिया था अब वह खत्म हो चुका है। मेरे पास कुछ नहीं बचा। राजा ने दूसरे लड़के की तरफ देखा तो उसने कहा- आपके द्वारा दिया गया गोड़ा चोरी हो गया और बंगला बेचकर जो पैसा आया वो भी कुछ खर्च हो चुका है और बचा हुआ भी जल्द खत्म हो जएगा। हम तो फिर वहीं आ गए, जहां से चले थे। अब राजा ने तीसरे लड़के की ओर देखा। तीसरे लड़के ने बोला- राजा मैंने आपसे ज्ञान मांगा था, जो रोजाना बढ़ रहा है। इसी का नतीजा है कि मैं आज आपके दरबार में मंत्री हूं। आज मुझे किसी चीज की जरूरत नहीं है। यह सुनकर दोनों युवकों को काफी अपसोस हुआ।

वीर गाथा

ज्योति प्रकाश निराला: आखिरी सांस तक अडिग रहे, लखवी के 'शागिर्द' को किया ढेर

कॉर्पोरल ज्योति प्रकाश निराला का जन्म 15 नवंबर, 1986 को बिहार के रोहतास जिले के बादलाडीह में हुआ था। वे साल 2005 में वायुसेना में भर्ती हुए थे। उन्होंने कई सैन्य अभियानों में भाग लिया और वीरता का प्रदर्शन किया था।

साल 2017 में ज्योति प्रकाश वायुसेना गरुड़ कमांडो की ट्रेनिंग के लिए गए। इससे उनके सैन्य कौशल में और बढ़ोतरी हुई। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में 13 आरआर के साथ प्रशिक्षण लिया था। उसी साल 18 नवंबर को खुफिया सूचना मिली कि बांदीपोरा जिले के चंदरगर में कुछ आतंकवादी घात लगाकर बैठे हैं।

अधिकारियों ने सूचना का विश्लेषण करने के बाद वायुसेना गरुड़ फोर्स और 13 आरआर को जिम्मेदारी दी कि संयुक्त अभियान चलाएं और आतंकवादियों का खात्मा करें। इसके बाद ज्योति प्रकाश और साथी जवान उस इलाके में पहुंचे। उन्होंने आतंकवादियों के ठिकाने को अच्छी तरह से घेर लिया था।

जब हमला किया गया तो आतंकवादी घबरा उठे। वे जैसे ही बाहर भागे, उनका सामना ज्योति प्रकाश से हुआ। कॉर्पोरल ज्योति प्रकाश ने उन पर गोलियां चलाईं। इससे दो आतंकवादी वहीं ढेर हो गए।

इस दौरान आतंकवादियों ने ज्योति प्रकाश की ओर गोलीबारी की, हैंड ग्रेनेड भी फेंका। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने अपने जवानों का हौसला बढ़ाया और आखिरी सांस तक अडिग रहे। कॉर्पोरल ज्योति प्रकाश निराला के बलिदान को देशवासी नमन करते हैं। उन्हें अशोक चक्र से सम्मानित किया गया। उस अभियान में मारा गया एक आतंकवादी 26/11 हमलों के गुनहगार लखवी का भांजा था।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अलका लांबा ने शनिवार को नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की।

आर चिदंबरम : भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम को आकार देने वाले विश्व स्तरीय भौतिक विज्ञानी

नई दिल्ली/भाषा

भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम के वास्तुकार राजगोपाल चिदंबरम (88) का शनिवार सुबह मुंबई में निधन हो गया। उन्होंने 1974 और 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षणों में अहम भूमिका निभाई थी। विश्वस्तरीय भौतिक विज्ञानी और कुशल विज्ञान प्रशासक चिदंबरम ने परमाणु भौतिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, साथ ही ग्रामीण भारत में समुदायों को सशक्त बनाने के लिए नवीन तकनीकों की शुरुआत की। चिदंबरम 1962 में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) में शामिल हुए और 1990 में इसके निदेशक बने। 1993 में, उन्होंने परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग में सचिव के रूप में देश के परमाणु कार्यक्रम का नेतृत्व किया, इस पद पर वह 2000 तक रहे।

सेवानिवृत्ति के बाद, उन्हें 2001 में भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के रूप में नियुक्त किया गया, जिस पद पर वह 2018 तक रहे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) (1994-1995) के संचालक मंडल के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

पीएसए के रूप में, चिदंबरम ने नैनो-इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत के प्रयासों का मार्गदर्शन किया, राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क को क्रियान्वित किया, तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों के लिए ग्रामीण अनुप्रयोगों का पता लगाने के लिए ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह (आरयूटीएजी) की स्थापना की। उन्होंने ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और रणनीतिक आत्मनिर्भरता जैसे क्षेत्रों में भी पहल की और कई परियोजनाओं का संचालन किया, जिससे भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिदृश्य में उल्लेखनीय प्रगति हुई। चिदंबरम को भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम में उनके योगदान के लिए जाना जाएगा, जिसके साथ वह 1967 से जुड़े हुए थे, जब शांतिपूर्ण परमाणु विस्फोट तकनीक की दुनिया भर में काफी चर्चा हुई थी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी द्वारा आयोजित विभिन्न वैश्विक सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया।वर्ष 1974 के परमाणु परीक्षण ऑपरेशन 'स्माइलिंग बुद्धा' के तहत चिदंबरम को व्यक्तिगत रूप से मुंबई से राजस्थान के पोखरण में प्लूटोनियम लाने के लिए जाना जाता था। चिदंबरम 1998 में पोखरण-दो परीक्षण, जिसे ऑपरेशन शक्ति नाम दिया गया पर काम करते समय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के तत्कालीन अध्यक्ष ए पी जे अब्दुल कलाम के साथ सैन्य वर्दी में नजर आए थे।

वर्ष 1998 में 11 मई और 13 मई को जब पांच परमाणु परीक्षण किए गए थे, तब चिदंबरम भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तब भारत को परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र घोषित किया था। पांच परमाणु परीक्षणों में थर्मोन्यूक्लियर डिवाइस भी शामिल था, जिसे न्यूट्रॉन बम के नाम से जाना जाता है। परमाणु परीक्षण किए जाने के कुछ दिनों बाद वाजपेयी द्वारा पोखरण में 'ग्राउंड जीरो' का दौरा भी इस बात का प्रमाण था कि उस स्थल पर रेडियोधर्मिता से जुड़ा कोई प्रदूषण नहीं था।

जब 1998 के परमाणु परीक्षणों से जुड़े कुछ वैज्ञानिकों ने थर्मो-न्यूक्लियर डिवाइस की प्रभावकारिता पर सवाल उठाया, तो चिदंबरम और उनके उत्तराधिकारी अनिल काकोदकर ने परिणाम का जोरदार बचाव किया।

जुलूस

सिख श्रद्धालु सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह की जयंती से पहले अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में धार्मिक जुलूस के दौरान गुरु ग्रंथ साहिब (सिखों की पवित्र पुस्तक) ले जाते हुए।

कोचेला से भी बड़े संगीत समारोहों की मेजबानी कर सकता है भारतः दिलजीत ने मोदी से कहा

नई दिल्ली/भाषा। पंजाबी गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने नववर्ष के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई मुलाकात के दौरान कहा कि भारत में कोचेला जैसे प्रसिद्ध वैश्विक आयोजनों से भी बड़े पैमाने पर संगीत समारोह आयोजित करने की क्षमता है। कोचेला एक वार्षिक संगीत और कला महोत्सव है, जो कैलिफोर्निया के इंडियो में एम्पायर पोलो क्लब में आयोजित किया जाता है। मार्च-अप्रैल में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में बड़े पैमाने पर दर्शक जुटते हैं। विश्व स्तर पर लोकप्रिय गायक ने बुधवार को प्रधानमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की थी, जहां उन्होंने संगीत, संस्कृति और भारत की कलात्मक विरासत पर चर्चा की। बातचीत के ब्योरे के अनुसार, मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने दोसांझ से भारत से बाहर यात्रा करने और अप्रैल 2023 में कोचेला वैली म्यूजिक एंड आर्ट्स फेस्टिवल जैसे विभिन्न वैश्विक समारोहों में प्रस्तुति के उनके अनुभव के बारे में पूछा। दोसांझ ने कहा, मुझे लगता है कि कोचेला या ऐसे किसी अन्य महोत्सव को बहुत बड़ा माना जाता है। मुझे विश्वास है कि हम इससे भी बड़ा महोत्सव आयोजित कर सकते हैं। ऐसे महोत्सवों के लिए दुनिया भर से लोग जुटते हैं। दोसांझ ने कहा कि संगीत भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने में समाया हुआ है। दोसांझ से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल के साथ संगीत पर हुई चर्चा को भी याद किया।

मुझे देश छोड़कर तीन साल निर्वासन में रहने की पेशकश की गई थी : इमरान खान

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया है कि उन्हें तीन साल के निर्वासन पर देश छोड़ने का मौका दिया गया था, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था।

पूर्व क्रिकेटर खान (72) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, जब मैं अटक जेल में था तो मुझे तीन साल के निर्वासन पर देश छोड़ने की पेशकश की गई थी, लेकिन मैं पाकिस्तान में ही रहूंगा और मरूंगा।

खान ने रावलपिंडी की अडियाला जेल में मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि उन्हें इस्लामाबाद में बानी गाला निवास में स्थानांतरित करने के लिए ''परोक्ष रूप से संपर्क'' किया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री अगस्त 2023 से अडियाला जेल में कैद हैं।

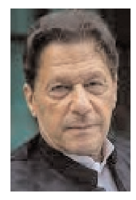

खान ने हालांकि 'एक्स' पर जारी पोस्ट में दावा किया कि उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा, मेरा रुख स्पष्ट है: पहले मेरे हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं और नेताओं को रिहा करें। उसके बाद ही मैं अपनी व्यक्तिगत स्थिति पर चर्चा करने पर विचार करूंगा।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक ने कहा कि उनका मानना है कि पाकिस्तान के फैसले देश के भीतर ही लिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, हालांकि, जब बुनियादी मानवाधिकारों की बात आती है, तो स्वाभाविक रूप से वैश्विक स्तर पर आवाजें उठेंगी। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं इसी उद्देश्य से अस्तित्व में हैं। दुनिया भर में प्रबुद्ध लोग बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाते हैं।

खान ने कहा कि इस ''सत्तावादी युग'' के दौरान, व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन, मौलिक कानूनी अधिकारों का उल्लंघन और संस्थानों के विनाश ने न केवल देश की सामाजिक और राजनीतिक प्रणालियों को बाधित किया है।

फिल्म 'फतेह' का गाना 'हीर' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद की आने वाली फिल्म फतेह का गाना हीर रिलीज हो गया है। सोनू सूद और जैकलीन फर्नांडीज पर फिल्माया गया गाना हीर दो प्रेमियों की मार्मिक कहानी को दर्शाता है जो अपने बीच की दूरी को पार करते हैं। इस गाने को विशाल मिश्रा और असीस कौर ने भावपूर्ण ढंग से गाया है।

विशाल मिश्रा ने कहा, हीर कोई आम प्रेम गीत नहीं है। इसकी धुन, बोल और हर बीट में चाहत का सार समाहित है। असीस की आवाज़ ने इसमें एक बेमिसाल खूबसूरती जोड़ दी है। मुझे उम्मीद है कि यह गाना सीमाओं से परे जाकर हर दिल को छूएगा। असीस कौर ने कहा, इस जादुई गाने पर विशाल और शब्बीर अहमद के साथ काम करना बहुत खास था। यह गाना प्यार और चाहत की भावनाओं को दर्शाता है और मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि हमने कुछ जादुई बनाया है। हीर हमारे दिल के बहुत करीब है और हमें उम्मीद है कि इसे वह सारा प्यार मिलेगा जिसकी यह हकदार है। शब्बीर अहमद रचित, शब्बीर अहमद और अजय पाल शर्मा के लिखे गए बोल और शब्बीर अहमद निर्मित संगीत के साथ, हीर दिल को छू लेने वाली कविता और मनमोहक धुन का एक बेहतरीन मिश्रण है। शक्ति सागर प्रोडक्शंस की सोनाली सूद और ज़ी स्टूडियो के उमेश केआर बंसल निर्मित, सह-निर्माता अजय धामा के साथ, फ़तेह एक मनोरंजक एक्शन फ़िल्म है। यह फिल्म साइबर अपराध के खिलाफ़ लड़ाई पर आधारित है। फ़िल्म फतेह 10 जनवरी को रिलीज़ होने वाली है।

कंगना ने दतिया में माँ पीतांबरा देवी की पूजा-अर्चना

दतिया/एजेन्सी

मध्यप्रदेश के दतिया स्थित माँ पीतांबरा शक्ति पीठ में आज फिल्म अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत ने माँ पीतांबरा देवी की पूजा अर्चना की। रनौत ने शक्तिपीठ माँ पीतांबरा पीठ में दर्शन किए और पूजा अर्चना की साथ ही महाभारत कालीन वनखंडेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया।

सुबह के समय कंगना माँ पीतांबरा पीठ मंदिर पहुँचीं पारंपरिक परिधान में सजी कंगना ने पूरे भक्ति भाव के साथ पुजारियों के साथ पूजा अर्चना की। कंगना ने मंदिर प्रांगण में लोगों से भी मुलाकात की। कई श्रद्धालु, जो उनके दर्शन के लिए यहाँ आए थे, उनके साथ तस्वीरें लेने उत्साहित दिखे।

कुंभ

प्रयागराज में कुंभ मेला 2025 से पहले निरंजनी अखाड़े के 'पेसवाई' जुलूस में भाग लेता एक साधु।

संजय दत्त ने बाबा बागेश्वर के साथ शेयर की तस्वीर

मुंबई/एजेन्सी

संजय दत्त पिछले 44 सालों से बॉलीवुड के दिग्गज सितारों में शामिल हैं। 'संजू बाबा' के नाम से ख्यात इस अभिनेता ने हर तरह की फिल्म में खुद को साबित किया है। प्रशंसक आज भी उनकी एक्टिंग के मुरीद हैं। संजय की निजी जिंदगी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही है। संजय अक्सर अपने दिवंगत माता-पिता नरगिस और सुनील दत्त को याद कर भावुक हो जाते हैं। ये दोनों ही दिग्गज कलाकार थे। बहरहाल संजय ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है, जो सबका ध्यान खींच रही है।

इसमें संजय और बाबा बागेश्वर हैं। दोनों ने एक-दूसरे का हाथ थामा हुआ है। संजय को बाबा ने सम्मानित किया। दोनों ही काफी ज्यादा खुश नजर आ रहे हैं। संजय ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, श्री धीरेंद्र शास्त्री जी बागेश्वर धाम का मेरे घर आना और हम सभी को आशीर्वाद देना एक सम्मान की तरह है। गुरुजी और मैं परिवार की तरह, भाई की तरह हैं। जय भोले नाथ। बता दें संजय पिछले दिनों बाबा की पदयात्रा में भी शामिल हुए थे, जिसके बाद उनकी खूब चर्चा हो रही थी। तब भी संजय ने बाबा को लेकर काफी आत्मीयता दिखाई थी। तब संजय ने कहा था कि गुरुजी मेरे छोटे भाई हैं। बाबा मुझे जहां जिस काम के लिए बुलाएंगे मैं हाजिर रहूंगा। फैंस को संजय का आध्यात्मिक रूप काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट कर संजय पर भरपूर प्यार लुटा रहे हैं। संजय के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो वे जल्द ही 'बागी 4', 'हाउसफुल 5' और 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगे। 'बागी 4' में उनकी भूमिका खलनायक की होगी।

अभिजीत भट्टाचार्य ने मानसी की शादी में प्रस्तुति देने का वादा किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने पार्श्वगायक अभिजीत भट्टाचार्य ने इंडियन आइडल के मंच पर प्रतिभागी मानसी की शादी में प्रस्तुति देने का वादा किया। इस वीकेंड सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल सीजन 15 एक विशेष उत्सव के साथ नए साल का स्वागत करेगा, जिसमें संगीत उद्योग की दिग्गज हस्तियां शामिल होंगी। इनमें ललित पंडित, अभिजीत भट्टाचार्य, साधना सरगम, साथ ही अभिजीत भट्टाचार्य की पत्नी सुमति भट्टाचार्य और सदाबहार अभिनेत्री प्रीति झंगियानी शामिल हैं। इस एपिसोड में ऑल टाइम ग्रेट लव सॉन्ग्स की प्रस्तुति दी जाएगी। प्रतियोगी रोमांटिक माहौल बनाएंगे और जज श्रेया घोषाल और विशाल ददलानी के साथ महान प्रेम गीतों की प्रस्तुति देंगे।

आइडल का डोका फोड़ के कलाकार चैतन्य के 'ओले ओले' गीत के गायन से प्रभावित अभिजीत भट्टाचार्य ने उन्हें खड़े होकर तालियां बजाकर सम्मानित किया और एक यादगार किस्सा साझा करते हुए कहा, इस फिल्म का नाम ये दिल्लगी है और मैं इसका टाइटल गीत गाने गया था। उदित, लता और मैं हम तीनों ने यह गीत गाया। उदित जी और मैं रिकॉर्डिंग के लिए गए। आदि और यश जी वहां थे। तब दिलीप सेन ने मुझसे कहा, 'अभिजीत, जाओ और एक और गीत डब करो।' मुझे नहीं पता कि उन्होंने मुझे ऐसा क्यों करने को कहा, लेकिन इस गीत के साथ चुनौती वही थी जिसका सामना आपने किया था। इसे एक ही सांस में गाया जाना चाहिए, अन्यथा इसकी सुंदरता खो जाएगी। एक गाना हमेशा म्यूजिक डायरेक्टर का होता है, स्टार का नहीं।

इंडियन आइडल की क्रेजी गर्ल मानसी, अभिजीत भट्टाचार्य से उनकी राय पूछती है, एक वीडियो का हवाला देते हुए जिसमें उन्होंने गायकों के खिलाफ़ बात की थी, जो सार्वजनिक मनोरंजन के लिए गाते हैं। अभिजीत ने मज़ाकिया अंदाज़ में जवाब दिया, आप सब मुझे कितना डांटेंगे? सच बताऊं, मैंने अपनी शादी में गाना नहीं गाया क्योंकि माहौल सही नहीं था। और उस निराशा के पल में कि मैं अपनी शादी में नहीं गा रहा था, मेरे ससुर ने मुझे सूट सिलने के पैसे नहीं दिए! शादियों में भावपूर्ण गीत होने चाहिए, लेकिन मैं आपकी शादी में बैंड के साथ जरूर गाऊंगा।मैं, ललित, विशाल और श्रेया गाएंगे। आइडल की स्टार कलाकार स्नेहा के 'बाहों में चले आओ' गाने पर परफॉर्म करने पर अभिजीत दा कहते हैं, सिर्फ किस्मत वालों को ही संगीत विरासत में मिलता है और इस मामले में आप उनके लिए 'भाई-भतीजावाद' शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकते।अभिजीत आइडल की लूप वाली आवाज़ बिस्वरूप की भी तारीफ करते हैं, जिन्होंने अपना खुद का गाना 'मैं कोई ऐसा गीत' गाया और कहा, गाना खत्म होने से पहले ही मैं खड़ा था। मैं इसे खुले दिल से सुन रहा था। पहली बार किसी ने इस गाने के साथ न्याय किया है। इंडियन आइडल 15 का यह एपिसोड इस सप्ताहांत रात 8:30 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

नेटफ्लिक्स ने जारी किया 'ब्लैक वारंट' का ट्रेलर

मुंबई/एजेन्सी

नेटफ्लिक्स इंडिया के प्रोजेक्ट जेल ड्रामा 'ब्लैक वारंट' का ट्रेलर आज शुक्रवार (3 जनवरी) को रिलीज कर दिया गया। यह सीरीज भारत की सबसे कुख्यात जेल तिहाड़ के अनदेखे पहलुओं को उजागर करती है। यह 10 जनवरी से स्ट्रीम होगी।

यह एक नई दुनिया की कहानी है, जहां सत्ता, राजनीति की लड़ाई एक नए जेलर 'सुनील गुप्ता' के नजरिये से दिखाई गई है। 'सुनील' अनजाने में तिहाड़ जेल के क्रूर और पेचीदा सिस्टम में फंस जाते हैं। उनके दो भरोसेमंद साथी उनके साथ मिलकर कैदियों, अधिकारियों और जेल के भीतर की राजनीति का सामना करते हैं। 'सुनील' का रोल दिवंगत एक्टर शशि कपूर के पोते व कुणाल कपूर के बेटे जहान कपूर निभाएंगे। इसकी और स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें राहुल भट्ट, परमवीर सिंह चीमा, अनुराग ठाकुर, सिद्धांत गुप्ता, राजश्री देशपांडे, तोता रॉय चौधरी और राजेंद्र गुप्ता जैसे कलाकार भी हैं। इस शो को जहान ने डायरेक्ट किया है और इसे शो रनर के रूप में विक्रमादित्य मोटवाने और सत्यांशु सिंह का साथ मिला है। इसमें जहान के अलावा अनुराग भी लाइमलाइट चुराने में सफल रहे। अनुराग एक सख्त और मेहनती पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं। निर्माताओं ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, तिहाड़ की भयानक जेल में कौन डर जाएगा और कौन लड़ जाएगा? कुछ वास्तविक घटनाओं पर आधारित।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर का तेरापंथ महिला मंडल बेंगलूरु द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, आर्थिक उन्नति, कौशल उद्यमिता, आत्मविश्वास की बढ़ोतरी, मानसिक सुदृढ़ता के लिए वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में दो दिवसीय प्रदर्शनी 'श्री उत्सव' का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन सा-मुद्रा फाउंडेशन की संस्थापक और सीईओ भारती सिंह ने किया।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के होसा गुडदहल्ली स्थित शनिश्वर स्वामी देवस्थान के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने शनि भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की ।

केजीएफ पहुंची तेरापंथी महासभा संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ। तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में संगठन यात्रा के तहत सभा की सार सम्भाल हेतु महासभा से प्रकाश लोढ़ा, संजय बांठिया,नवनीत मुथा, महेंद्र दक केजीएफ तेरापंथ भवन पहुंचे। सभा अध्यक्ष सुदर्शन बाठिया ने स्वागत किया।

महासभा से आंचलिक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा ने महासभा के सभी आयामों की जानकारी देते हुए सभा के दायित्व की जानकारी दी । संजय बांठिया ने अपनी जन्म भूमि में महासभा टीम का स्वागत किया। महेंद्र दक ने सभा के वैधानिक एवं संवैधानिक नियमों से अवगत कराया। सभा प्रभारी नवनीत मुथा ने बताया कि केजीएफ सभा एक जागरूक सभा है, साधु साध्वियों की सेवा में हमेशा दायित्व निर्वहन हेतु तत्पर रहती हैं । श्रावक श्राविकाओं की सार सम्भाल करना भी सभा का अपना विशेष दायित्व होता है, इस और भी जागरूकता की अपेक्षा है। सभा मंत्री सुशील बांठिया ने संचालन किया।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

चिकबल्लापुर/दक्षिण भारत । शहर के महावीर जैन संघ एवं प्रोजेक्ट दृष्टि के संयुक्त तत्वावधान में 243वां निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन स्थानक जैन भवन में किया गया जिसमें 38 मरीजों की आंखों की जांच हुई तथा 22 मरीजों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। इन चयनीत मरीजों का जैन मिशन अस्पताल में नेत्र शल्य चिकित्सा करवाई गई।

यह जानकारी संघ के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी ने दी।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 199 लोग हुए लाभान्वित

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में कोयंबटूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों डॉ. भाविका, डॉ. चिन्मय, डॉ. अंजलि, डॉ. कृतिन, डॉ. विजय कुमार की देखरेख में 199 लोगों ने अपने नेत्र की जांच करवाई। समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि आयोजन में जरूरतमंद लोगों ने चिकित्सीय परामर्श लेकर अपने नेत्रों की जांच करवाई।

संस्था द्वारा जरूरतमंदों के मोतियाबिंद आदि का ऑपरेशन करवा कर चश्में बनवाएं गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिष्टाचार भेंट

हुब्बल्ली के युवा समाजसेवी विनोद पटवा ने हुब्बल्ली-धारवाड़ शहर के पुलिस महानिरीक्षक एन. शशि कुमार से मुलाकात कर उन्हें उनकी पदोन्नति के लिए बधाई दी। पटवा ने पुलिस आयुक्त कार्यलय में एन. शशि कुमार से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की तथा विभिन्न पुलिस स्टेशनों पर रक्तदान शिविर आयोजित करवाने का निवेदन किया।

आरआर नगर तेरापंथ भवन में 'श्रीउत्सव' प्रदर्शनी आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा रविवार को आरआर नगर तेरापंथ भवन में 'श्री उत्सव-एक कदम स्वावलंबन की ओर' प्रदर्शनी का आयोजन किया जारहा है। इस प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के घरेलू उत्पाद, हस्तनिर्मित सामग्री, गहने, कपड़ों, आकर्षक गेम्स के अतिरिक्त पकवान के भी कई स्टाल लगाएं जाएगें। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने इस अवसर पर महिला वर्ग के लिए सर्वाइकल कैंसर के टेस्टिंग पर 50% की छूट की घोषणा की है। मंत्री पदमा महेर, श्रीउत्सव की संयोजिका आशा लोढा एवं सहसंयोजिका श्वेता कोठारी ने अपनी टीम के साथ आयोजन की तैयारी पूरी कर ली है।?

'पुण्योदय से प्राप्त होती है मन, वचन और काया की शक्ति'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में विराजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में प्रज्ञापना सूत्र के विशेष पद का वर्णन करते हुए कहा कि अपने को मिले साधनों का प्रयोग-उपयोग लेना सीखना चाहिए। मन, वचन और काया ये तीनों पुण्योदय से प्राप्त हुई शक्तियाँ है। पुद्गल से मिली कोई भी शक्ति एक समय सीमा तक ही साथ रहती है। जिस प्रकार अनाज-साग आदि घर लाते है सभी की काल मर्यादा होती है, उतने समय में उसका उपयोग कर ही लेते हैं।

भगवान महावीर ने कहा कि समाधि योग-समता, योग-प्रशांतचित्त, योग-शांति योग इन प्रवृतियों से मन, वचन और काया पवित्र होती है। बुरा उपयोग करेंगे तो हम ही दु:खी बनेंगे तथा अच्छा उपयोग मिले साधनों का करेंगे तो हम ही सुखी बनेंगे।

सत्य मन, व्यवहार मन, सत्य भाषा, व्यवहार भाषा तथा औदारिक शरीर योग ये पांचो से धर्मज्ञान चारित्र तप होता है। संघ प्रवक्ता प्रसन्नचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपत राज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

दो दिवसीय 'श्री उत्सव' प्रदर्शनी का उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ आगाज

तेरापंथ महिला मंडल बेंगलूरु ने आयोजित की व्यापारिक प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर का तेरापंथ महिला मंडल बेंगलूरु द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, आर्थिक उन्नति, कौशल उद्यमिता, आत्मविश्वास की बढ़ोतरी, मानसिक सुदृढ़ता के लिए वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में दो दिवसीय प्रदर्शनी 'श्री उत्सव' का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन सा-मुद्रा फाउंडेशन की संस्थापक और सीईओ भारती सिंह ने किया। इस मौके पर उन्होंने महिला सशक्तिकरण के महत्व पर जोर दिया और महिलाओं को अपने उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय परामर्शिका लता जैन, राष्ट्रीय कार्यकारी समिति सदस्य मधु कटारिया और पूर्व महामंत्री वीना बैद की उपस्थित रहीं। सभी उपस्थित अतिथियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

महिला सशक्तिकरण के लिए किया गया श्री उत्सव - रिजु डूंगरवाल

मंडल की अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि श्री उत्सव का आयोजन विशेष रूप से महिलाओं के लघु उद्योगों और गृह उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए किया गया है। यह आयोजन महिलाओं को एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहाँ वे न केवल अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर सकती हैं, बल्कि व्यापारिक दृष्टि से नई संभावनाएँ भी तलाश सकती हैं। तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। संचालन करते हुए कार्यक्रम की संयोजिका बिंदु नाहर ने बताया कि यह आयोजन न केवल व्यापारिक दृष्टि से बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और मानसिक सुदृढ़ता को बढ़ाने के लिए भी महत्वपूर्ण साबित हुआ है। संयोजिका संगीता आँचलिया ने मुख्य अतिथि भारती सिंह का परिचय दिया।

प्रदर्शनी में 100 से अधिक स्टाल लगाए गए

प्रदर्शनी में लगभग 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए जिसमें डायमंड ज्वेलरी, डिजाइनर कपड़े, साड़ियाँ, फुटवेयर, होम अप्लायंसेस, डेकोर प्रोडक्ट्स आदि का प्रदर्शन किया गया। जयपुर, कोलकाता, मैसूरु, टिप्पटूर, हासन जैसे प्रमुख शहरों की महिला उद्यमियों ने भाग लिया। मंत्री ज्योति संचेती ने कहा कि वर्ष 2025 की शुरुआत इस भव्य आयोजन महिलाओं को आर्थिक मजबूती की दिशा में प्रेरित किया। तेरापंथ महिला मंडल ने समाज की साधर्मिक महिलाओं के लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए छोटे उत्पादकों के लिए विशेष व्यवस्था की थी, ताकि वे अपने उत्पादों को उचित मंच पर प्रस्तुत कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। स्टॉल बुकिंग संयोजिका शांति सकलेचा एवं संतोष सोलंकी ने इस आयोजन ने महिलाओं को एकजुट किया और उन्हें अपने उत्पादों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित किया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा के मंत्री विनोद छाजेड़, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, मंत्री राकेश चौरडिया, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, जितेंद्र आंचलिया, प्रकाश लोढा, बजरंग जैन की उपस्थिति रही।

आयोजन में प्रायोजकों व सहप्रायोजकों का मिला सहयोग

इस आयोजन में आदिश्वर इंडिया के पारस भंडारी मीडिया पार्टनर, तारादेवी-चेनराज गोटावत भोजन प्रायोजक, पंचकेसरी बडेरा ज्वेलर्स गिफ्ट पार्टनर का सहयोग उल्लेखनीय रहा। इस श्री उत्सव में भेरूलाल सुनीलकुमार भारतकुमार बाफना परिवार, किरणचंद प्रकाशचंद, बजरंग कुंडालिया परिवार, सुवालाल सुरेशचंद पुखराज, अमरचंद दक परिवार, प्रकाशदीप फैब्रिक परिवार, झमकुदेवी पारसमल छाजेड़ परिवार, विजय, संजय, अजय बाफना परिवार, मालचंद प्रेमलता गिरिया परिवार, झब्बरमल, विक्रम, धीरज दुगड़ परिवार, कैलाश, अंकित, अक्षत छाजेड़ परिवार, माया केवल छाजेड़ परिवार और अन्य कई परिवारों और व्यापारियों ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

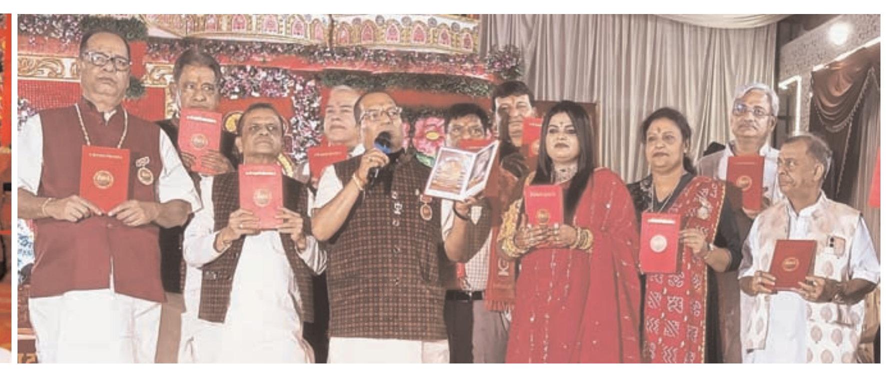

'जब कोई नहीं आता, मेरी राणी सती दादी आती है'

चरण पादुका महोत्सव में हुआ मंगलपाठ व भजन कीर्तन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दादी सेना के तत्वावधान में दादी धाम प्रचार समिति द्वारा जेपी नगर स्थित शुभ कन्वेंशन हॉल में राणी सती दादी का चरण पादुका महोत्सव का शुभारंभ हुआ। शनिवार को सुबह 9 बजे समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल, सचिव संजय चौधरी, कार्यक्रम संयोजक संजय नोपानी, बिमल जिलोका आदि दादी भक्तों द्वारा पूजा की गई। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने दादी के मनोरम दरबार व अखंड ज्योत के दर्शन किए। इसके पश्चात हैदराबाद से आई गायिका प्रियंका गुप्ता व भागलपुर की रिया शर्मा ने गणेश वंदना के साथ अनेक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी । गायिकों ने 'जब किस्मत वालों को मिलता है दादी दरबार....., जब कोई नहीं आता, मेरी दादी आती है, मेरे दु:ख के दिनों में वो काम आती है ...., भजन गाए तो पूरा सभागार दादी के जयकारों से गुंजायमान हो गया। इस मौके पर दादी मंगलपाठ की पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर बंगाल की तर्ज पर धुनी डांस सिंदूर खेला की भी प्रस्तुति हुई। मंगलपाठ के दौरान राणी सती का जन्मोत्सव, विवाह उत्सव और चुनड़ी उत्सव धूमधाम से मनाया गया व बधाइयां बांटी गई। संजीव खेतान व अनूप अग्रवाल की देखरेख में दादी दरबार का श्रंगार सजाया गया। कार्यक्रम में संदीप नोपानी, अनूप अग्रवाल, अमित मोदी, संजय क्याल, शंकर सुल्तानिया, गंगाधर मोर, शंकरलाल मोदी, शशिकांत गुप्ता, राजेन्द्र बजाज, प्रमोद मोरारका, ओमप्रकाश पोद्दार सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

कटारिया परिवार बना महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव वर्धमान प्रसादी का सहयोगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जैन युवा संगठन जो हर वर्ष शहर में महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव का आयोजन करता आ रहा है, ने इस वर्ष 2025 में आयोजित महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के वर्धमान प्रसादी के सहयोगी के रूप में वैष्णोंदेवी ग्रुप ऑफ कम्पनी के मनोहरलाल, विमल, चिराग, यश कटारिया द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्राप्त कर ली है। आगामी 10 अप्रैल को आयोजित प्रभु महावीर के जन्मकल्याणक में वर्धमान प्रसादी सहयोगी परिवार के विमल कटारिया का संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत एवं अन्य पदाधिकारियों ने सम्मान किया। संगठन मंत्री नीरज कटारिया ने कटारिया परिवार को धन्यवाद दिया। इस मौके पर संगठन के उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल, पूर्व मंत्री पवन मांडोत, पूर्व मंत्री मदन मुणोत, पूर्व सहमंत्री रितेश मेहता, ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अशोक भंडारी, मंत्री सुरेश मांडोत, सहमंत्री रूपचन्द कुम्मट, आतिश धोका, विनय गांधी आदि उपस्थित थे।

केएमवाईएफ माइक्रो लैब्स एडवांस्ड फिजियो रिहैब एवं रिसर्च सेंटर का लॉंच कार्यक्रम आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय कर्नाटक मारवाडी यूथ फेडरेशन के सेवा कार्यों में एक और कड़ी आज जुड़ने जा रही है। रविवार को केएमवाईएफ माइक्रो लैब्स एडवांस्ड फिजियो रिहैब एण्ड रिसर्च सेंटर का लॉंच बेंगलूरु ग्रामीण के सांसद एवं जयदेवा इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी के पूर्व डायरेक्टर पद्मश्री डॉ. सीएन मंजूनाथ, मुख्य अतिथि श्री शंकरा फाउंडेशन के सीनियर सर्जिकल ऑनकोलॉजिस्ट डॉ. बीएस श्रीनाथ एवं विशिष्ट अतिथि भगवान महावीर जैन हॉस्पिटल के अध्यक्ष मोहनलाल रांका के हाथों होगा। यह लॉंच कार्यक्रम शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस गोल्फ सभागरी में शाम को होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक गुरू पुनवानी कम्पनी, गोल्ड प्रायोजक अर्जुना ज्वेलर्स एवं सिल्वर प्रायोजक मार्गदर्शन इंन्फ्रास्ट्रक्चर्स हैं।

सेंटर के लॉंच के अवसर पर टीआरपी बैंड मुम्बई रिया भट्टाचार्य, विवेक मिश्रा, तोरशा सरकार अपनी संगीतमय प्रस्तुति देंगे। संस्था के वर्तमान अध्यक्ष रमेश सांखला, सचिव रणजीत मेहता, रिहैब एण्ड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन विजय भंडारी एवं कार्यक्रम के चेयरमैन विक्रम जैन हैं। यह जानकारी संस्था के उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने दी है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com